दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

शनिवार 28 जून 2025

सूर्योदय प्रात: 05:26 बजे

सूर्यास्त सांय 19:24 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 प्रकृति एवं जीवन रक्षा को नदियों का संरक्षण जरूरी

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 253 | गाजियाबाद, शनिवार 28 जून 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

छोटे उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत स्तंभ: मुर्मु

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि छोटे उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत स्तंभ है। शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2025 के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए ये बात कही। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि छोटे उद्योग रोजगार सृजन के साथ सामाजिक समावेशन को भी बढ़ाते हैं। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग न केवल देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं बल्कि जमीनी स्तर पर नवाचार को भी बढ़ावा देते हैं।

छोटे उद्योग महिलाओं, युवाओं, ग्रामीण क्षेत्रों तथा वंचितों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर सामाजिक समावेशन को भी बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा, उद्योग क्षेत्र देश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का जिक्र करते हुए कहा कि छोटे उद्योगों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। विकसित भारत के सपने को साकार करने में योजनाओ का लाभ उठाना चाहिए।

विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने में छोटे उद्योग महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कृषि के बाद रोजगार का सबसे बड़ा क्षेत्र राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि देश की जीडीपी में छोटे उद्योगों का करीब 30 प्रतिशत, विनिर्माण में 36 प्रतिशत और निर्यात में 45 प्रतिशत का योगदान रहा है। यह क्षेत्र कृषि के बाद रोजगार का दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है। इस क्षेत्र से पिछड़े और ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा होते हैं।

इस तरह यह क्षेत्र कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण और विकास के विकेंद्रीकरण से समावेशी विकास में मदद करते हैं। चुनौतियों से निपटने के लिए नीतिगत बदलाव छोटे उद्योगों के सामने वित्त की समस्या के साथ साथ बड़ी कंपनियों से प्रतिस्पिर्धा, अत्याधुनिक तकनीक की कमी, कच्चे माल और कुशल मानवश्रम की कमी, सीमित बाजार और भुगतान में देरी की दिक्कते हैं। राष्ट्रपति ने कहा, छोटे उद्योगों को इन चुनौतियों से निपटने में सक्षम बनाने के लिए सरकार ने कुछ नीतिगत बदलाव किए हैं। छोटे उद्योगों की परिभाषा बदलकर इनका दायरा बढाया गया है। डाक टिकट और पोर्टल का अनावरण राष्ट्रपति ने ऋण गारंटी निधि ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई) के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विशेष डाक टिकट जारी किया। ऑनलाइन विवाद समाधान (ओडीआर) पोर्टल के अनावरण के साथ एमएसएमई हैकाथॉन 5.0 का भी शुभारंभ किया।

राष्ट्रपति 'एमएसएमई पत्रिका' और एक पुश्तिका 'अपने ऋणदाता को जानें' का विमोचन किया। कार्यक्रम में केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री जीतन राम मांझी, राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे और खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार समेत अन्य रहे।

MSME को लेकर ब्यूरोक्रेसी और बैंक की चुले टाईट करने की जरूरत

राष्ट्रपति ने आज भले ही MSME दिवस मना कर देश को एक संदेश देने का प्रयास किया हो लेकिन MSME को लेकर सरकार, ब्यूरोक्रेसी और बैंकों की नियत ठीक नहीं है। कभी CIBIL स्कोर के नाम पर तो कभी बंधा योग्य संपत्ति के नाम पर MSM E लोकन के बैंकों को प्राप्त होने वाले आवेदनों को खारीज कर दिया जाता है। इतना ही नहीं सरकार द्वारा युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए कई तरह की योजनाए संचालित की जाती है। जिसके तहत 3 से 5 लाख तक के ऋण देने की बात की जाती है, लेकिन इन योजनाओं के तहत मिलने वाली ऋण राशि बेहद कम होती है, जिसमे रोजगार शुरू करना असंभव रहता है। इस लोन राशि के कारण लोनधारक का CIBIL स्कार खराब हो जाता है। यानि सरकार की योजनाएं देश के युवाओं के लिए अभिशॉप से ज्यादा कुछ नहीं है। इससे बचाव के लिए सरकार को ब्यूरोक्रेसी और बैंकों की चुले टाईट करने की जरूरत है।

आरएसएस के लोगों को चुभता है संविधान : राहुल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

लोकसभा में विपक्ष के नेता तथा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ-(आरएसएस) को संविधान विरोधी करार देते हुए कहा है कि इस विचारधारा के लोगों का संविधान को लेकर दिये ताजा बयान से मुखौटा एक बार फिर उतर गया है।

श्री गांधी ने सोशल मीडिया फेसबुक पर शुक्रवार को पोस्ट में कहा "संविधान इन्हें चुभता है क्योंकि वह समानता, धर्मनिरपेक्षता और न्याय की बात करता है। आरएसएस-भाजपा को संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए। ये बहुजनों और ग़रीबों से उनके अधिकार छीनकर उन्हें दोबारा ग़ुलाम बनाना चाहते हैं। उनसे संविधान जैसा ताक़तवर हथियार छीनना इनका असली एजेंडा है।"

उन्होंने कहा कि आरएसएस और भाजपा के लोग संविधान बदलना चाहते हैं लेकिन उन्हें इसकी इजाजत नहीं दी जाएगी इसलिए उन्हें यह सपना देखना बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा "आरएसएस यह सपना देखना बंद करे-हम उन्हें कभी सफल नहीं होने देंगे। हर देशभक्त भारतीय आख़िरी दम तक संविधान की रक्षा करेगा।"

श्री गांधी की यह टिप्पणी आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबोले तथा केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने संविधान की प्रश्तावना से 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द को हटाने की मांग की है और कहा है कि धर्मनिरपेक्षता हमारी संस्कृति का मूल नहीं है इसलिए संविधान की प्रश्तावना से इस शब्द को हटा देना चाहिए।

अब व्हाइट हाउस दे रहा भारत से जुड़े फैसलों की जानकारी: कांग्रेस

विपक्ष ने व्यापार समझौते से जुड़े ट्रंप के दावे को लेकर केंद्र को घेरा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत के साथ व्यापार समझौते से जुड़े दावे को लेकर केंद्र सरकार पर तंज कसा है।

पार्टी ने सरकार को घेरते हुए कहा है कि भारत से जुड़े अहम फैसलों की जानकारी व्हाइट हाउस से मिल रही है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स पर पोस्ट कर कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 16 बार दोहराया है कि उन्होंने भारत और पाकिश्तान के बीच संघर्ष विराम करवाने के लिए एक व्यापारिक समझौते को औजार की तरह इश्तेमाल किया। जयराम ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अब घोषणा की है कि भारत-अमेरिका के बीच इस व्यापार समझौते पर कुछ ही दिनों में दश्तखत होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप इसे बहुत बड़ी डील बता रहे हैं। उम्मीद है कि यह वाकई बड़ी डील हो, क्योंकि इसी वजह से ऑपरेशन सिंदूर को अचानक बंद कर दिया गया। कांग्रेस ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि जैसा कि अब साफ होता जा रहा है, भारत से जुड़े बेहद अहम फैसलों की जानकारी भी वॉशिंगटन डीसी स्थित व्हाइट हाउस से ही मिल रही है। दरअसल, राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को कहा था कि भारत के साथ एक बहुत बड़ा समझौता जल्द होने वाला है।

आयुष की संशोधित ईएसआई नीति को मंजूरी

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। कर्मचारी राज्य बीमा निगम - ईएसआईसी ने समग्र, निवारक और सुविधापरक स्वास्थ्य सेवायें प्रदान करने के लिए 'संशोधित ईएसआई आयुष नीति' को स्वीकृति दे दी है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में शुक्रवार को ईएसआईसी की 196वीं बैठक में इस आशय के प्रश्ताव को मंजूरी दी गयी।

यह नीति आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी जैसी पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को ईएसआईसी के स्वास्थ्य सेवा परिवेश में एकीकृत करने पर केंद्रित है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह नीति समग्र चिकित्सा सेवाओं को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

अगले सात दिनों में भारी बारिश का अलर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 27 जून को देशभर में अगले सात दिनों तक देश के विभिन्न हिस्सों में व्यापक वर्षा, गरज-चमक और तेज हवाओं की संभावना जताई है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, गंगा के मैदानी इलाकों में स्थित पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और ओडिशा में अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा, गरज-चमक और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

पूर्वोत्तर भारत में भी अगले सात दिनों तक अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ बिजली गिरने और आंधी की आशंका है। कुछ स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। विशेष रूप से 1 जुलाई को अरुणाचल प्रदेश और 27 जून व 2 जुलाई को नागालैंड में भारी वर्षा की संभावना जताई गई है।

दक्षिण भारत की बात करें तो 27 और 28 जून को तमिलनाडु में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। तटीय कर्नाटक में 27 जून से 3 जुलाई तक और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 27 और 3 जुलाई को भारी वर्षा के आसार हैं। इसके अलावा 27 जून को तेलंगाना, 29 जून और 3 जुलाई को केरल में भी बहुत भारी वर्षा हो सकती है। इस दौरान इन राज्यों में 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चलने की संभावना है। केरल और माहे, लक्षद्वीप और तटीय कर्नाटक में हल्की से मध्यम बारिश होती रहेगी। साथ ही तटीय आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और आंतरिक कर्नाटक में गरज-चमक के साथ छींटे पड़ सकते हैं।

मछुआरों के लिए आईएमडी ने विशेष चेतावनी जारी की है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के कई क्षेत्रों में तेज हवाओं और ऊंची लहरों की वजह से 27 जून से 2 जुलाई तक मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। गुजरात, कोंकण, गोवा, कर्नाटक, केरल, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटीय इलाकों सहित लक्षद्वीप, अंडमान सागर और मन्नार की खाड़ी में मछली पकड़ने की गतिविधियों को पूरी तरह स्थगित करने का सुझाव दिया गया है।

रिहाई में देरी पर आरोपी को मुआवजा मिला

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि जमानत मिलने के बाद देर से रिहा होने वाले व्यक्ति को पांच लाख रुपये का मुआवजा दे दिया गया है। राज्य के धर्मांतरण रोधी कानून के प्रावधानों के तहत दर्ज मामले में आरोपी को सुप्रीम कोर्ट ने 29 अप्रैल को जमानत दे दी थी, लेकिन उसे 24 जून को गाजियाबाद जिला जेल से रिहा किया गया। शीर्ष अदालत ने रिहाई में देरी के लिए 25 जून को राज्य के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए आरोपी को पांच लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया था। अदालत ने यूपी सरकार को इस आदेश के संबंध में अनुपालन रिपोर्ट प्रश्तुत करने का निर्देश दिया था। शुक्रवार को राज्य के वकील ने न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एन. कोटिस्वर सिंह की पीठ को बताया कि राज्य ने निर्देश का पालन करते हुए मुआवजा दे दिया है।

विदेश मंत्री: ईरानी समकक्ष के बात

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची के साथ शुक्रवार को बातचीत की और भारतीयों की सुरक्षित निकासी में उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर इसकी जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि बातचीत में उन्हें वर्तमान की जटिल परिस्थिति में ईरान का नजरिया और सोच जानने को मिली। उल्लेखनीय है कि ईरान और इजरायल के बीच हाल ही में युद्ध विराम की घोषणा हुई है। संघर्ष के दौरान भारत ने वहां रह रहे कई भारतीयों की सुरक्षित स्वदेश वापसी सुनिश्चित कराई है।

भारत के साथ हो सकता है 'बहुत बड़ा' व्यापार समझौता: ट्रम्प

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि उनका देश भारत के साथ 'बहुत बड़ा' व्यापार समझौता कर सकता है। राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय आया है जब भारत का एक उच्च श्तरीय प्रतिनिधिमंडल अंतिम दौर की व्यापार वार्ता के लिए वाशिंगटन गया हुआ है।

बेहतर सेवा के लिए क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय को विशेष पुरस्कार मिला

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद✷

लोगों को बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय गाजियाबाद को वर्ष 2024-25 के लिए विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा के हाथों दिया गया।

दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू भवन में 23 से 25 जून तक तीन दिवसीय क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी सम्मेलन का आयोजन किया गया। 24 जून को पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी अनुज स्वरूप को विशेष पुरस्कार के लिए चुना गया।

इस दौरान बताया गया कि अनुज स्वरूप ने डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्रों में विशेष पासपोर्ट मेले लगाकर हजारों लंबित आवेदनों का निपटारा कराया। वहीं, पासपोर्ट अदालतों और विशेष क्लियरेंस अभियान चलाकर जटिल मामलों का समाधान कराया गया। वर्ष 2024 में गाजियाबाद पासपोर्ट कार्यालय में 40 हजार मामले लंबित थे, जो मई 2025 में मात्र चार हजार रह गए।

शुक्रवार को विशेष पुरस्कार प्राप्त होने पर सभी कर्मचारियों और अधिकारियों ने एक-दूसरे को बधाई दी। मौके पर क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी अनुज स्वरूप में इस पुरस्कार का श्रेय पुलिस विभाग, डाक विभाग, टीसीएस और एसटीसी के अधिकारियों और कर्मचारियों की साझा मेहनत का परिणाम बताया।

बदमाशों ने दो ट्यूबवेल से सामान चुराया

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद✷

मुरादनगर थानाक्षेत्र के गांव डिड़ौली में बदमाश दो ट्यूबवेल से केबल और ट्रांसफार्मर चोरी कर ले गए। किसानों ने थाने में तहरीर दी है।

गांव डिड़ौली में बदमाश गुरुवार रात को बदमाश कमल त्यागी के ट्यूबवेल से केबल और अमरीश त्यागी के ट्यूबवेल से बिजली का ट्रांसफार्मर चोरी कर ले गए। ग्रामीणों का कहना है कि पहले कई ट्यूबवेल से इस तरह की चोरी हो चुकी है। उन्होंने पुलिस मामले में सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

पुराने वाहनों की पहचान के लिए कैमरे लगेंगे

एक नवंबर से पहले पेट्रोल पंपों पर लगाने होंगे

✷एनसीआर टुडे. नोएडा✷

जिले के पेट्रोल पंपों पर एक नवंबर से पुराने वाहनों को ईंधन नहीं मिलेगा। इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। परिवहन विभाग के अनुसार पेट्रोल पंपों को कैमरे लगाने होंगे।

यह कैमरे नंबर पुराने वाहनों की पहचान करेंगे। एआरटीओ प्रवर्तन डॉ. उदित नारायण पांडे ने बताया कि पेट्रोल पंपों पर लगने वाले स्वचालित नंबर प्लेट पहचान कैमरे ऐसे कैमरे हैं, जो वाश्तविक समय में वाहनों की नंबर प्लेटों को पढ़ते हैं और उन्हें डिजिटल बनाते हैं। यह कैमरे पूरी पहचान, रिकॉर्डिंग प्रक्रिया और संचार प्रक्रिया को बिना सर्वर या ट्रिगर के खुद ही कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट का आदेश निर्धारित तारीख पर लागू कर दिया जाएगा। इसे लेकर वाहन मालिकों को नोटिस भेजा जा रहा है। इसमें निर्देशित किया जा रहा है कि 15 साल पुराने पेट्रोल और 10 साल पुराने डीजल वाहन है, तो उसे कबाड़ कर दें या वैकल्पिक व्यवस्था अपनाएं। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाएं, जो पर्यावरण के अनुकूल हैं।

व्यापारियों ने गृहकर बढ़ाने का विरोध जताया

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद✷

गांधीनगर व्यापार मंडल ने गृहकर बढ़ाने का विरोध जताया है। शुक्रवार को व्यापारियों ने महापौर के आवास पर जाकर ज्ञापन देकर बढ़ा गृहकर वापस लेने की मांग की। महापौर ने ज्यादा गृहकर नहीं बढ़ने देने का आश्वासन दिया है।

व्यापारियों ने महापौर सुनीता दयाल को बताया कि नगर निगम ने गृहकर में बहुत ज्यादा वृद्धि की है। इस कारण लोगों को आर्थिक परेशानी उठानी पड़ रही है। शहर के लोग लगातार गृहकर की बढ़ी दर वापस लेने की मांग कर रहे हैं। व्यापारियों ने बढ़ा गृहकर वापस लेने की मांग उठाई। महापौर ने व्यापारियों को बताया कि इस मुद्दों पर 30 जून का निगम की बोर्ड बैठक बुलाई है। इसमें गृहकर को लेकर पार्षदों से चर्चा होगी।

इसके बाद कोई निर्णय लिया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में प्रदीप बंसल, जगदीश यादव, हितेंद्र शर्मा, मुखविंदर सिंह भाटिया, सतेंद्र प्रकाश, मनोज वोहरा, दिनेश कपूर, सौरभ, मनीष सिंघल, अमित चानना, विजय छाबड़ा आदि मौजूद रहे।

पार्षदों को बोर्ड बैठक का एजेंडा भेजा निगम ने पार्षदों को बोर्ड बैठक का एजेंडा भेजना शुरू कर दिया है। 30 जून की सुबह 11 बजे निगम मुख्यालय में बैठक शुरू होगी। बैठक में केवल गृहकर पर ही चर्चा की जाएगी। इसके अलावा अन्य कोई प्रशताव बैठक में नहीं रखा जाएगा। निगम पार्षदों को बोर्ड बैठक का एजेंडा भेज रहा है।

भाजपा के खिलाफ भाषा मुद्दे पर साथ आए ठाकरे बंधु, राज और उद्धव ने मिलकर खोला मोर्चा

मुंबई , एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र में हिंदी थोपे जाने जाने को लेकर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर भाषा के आधार पर लोगों को बांटने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उद्धव के चचेरे भाई एवं महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने भी त्रि-भाषा फार्मूले और हिंदी थोपे जाने के सरकार के कदम का विरोध किया। यह घटनाक्रम ऐसे समय पर हो रहा है, जब ठाकरे बंधुओं के एकजुट होने की अटकलें तेज हैं।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने यहां पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि उनकी पूर्व सहयोगी भाजपा मुख्य रूप से मराठी भाषी राज्य में ''भाषा आपातकाल'' लगाने का प्रयास कर रही है। ठाकरे ने इस बात पर बल दिया कि उनकी पार्टी हिंदी के विरोध में नहीं है, लेकिन साफ तौर पर इसे थोपे जाने के खिलाफ है।

मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षा एक से पांचवीं तक के छात्रों को हिंदी पढ़ाने को लेकर जारी विवाद के बीच उन्होंने कहा, ''हम किसी भाषा का विरोध या उससे नफरत नहीं करते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम किसी भी भाषा को थोपने की अनुमति देंगे। हम हिंदी

थोपे जाने का विरोध करते हैं और यह जारी रहेगा।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया, ''भाजपा भाषा के आधार पर लोगों के बीच विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही है और यह भाषा आपातकाल लगा रही है।'' ठाकरे ने आरोप लगाया कि भाजपा का गुप्त एजेंडा हिंदी को थोपने का है।

विपक्षी नेता ने कहा कि अगर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस घोषणा करते हैं कि राज्य के स्कूलों में हिंदी अनिवार्य नहीं की जाएगी तो विवादास्पद भाषा का मुद्दा हल हो सकता है। ठाकरे ने कहा कि 2019 से 2022 तक मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने महाराष्ट्र के सभी स्कूलों में मराठी को अनिवार्य विषय बनाने का निर्णय लिया था।

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने घोषणा की कि उनकी पार्टी स्कूलों में त्रि-भाषा फार्मूले और हिंदी थोपे जाने के खिलाफ सात जुलाई को दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में नागरिक समाज के सदस्यों द्वारा आयोजित प्रदर्शन में भाग लेगी। सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति में घटक शिवसेना के प्रमुख एवं उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर कटाक्ष करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि ''गद्दारों'' को पार्टी के संस्थापक दिवंगत बाल ठाकरे के आदर्शों के बारे में याद दिलाना चाहिए।

इस बीच, एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी छह जुलाई को एक मार्च निकालेगी। लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह विरोध प्रदर्शन किसी भी पार्टी के मंच से नहीं होगा। उन्होंने कहा कि मनसे अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं, साहित्यकारों और कलाकारों से बात करेगी ताकि वे विरोध में शामिल हो सकें। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा) के नेताओं को भी विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए आमंत्रित करेंगे तो राज ठाकरे ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों से संपर्क किया जाएगा। साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि महाराष्ट्र किसी भी लड़ाई से बड़ा है। स्कूली पाठ्यक्रम में तीसरी भाषा के विवाद पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने स्पष्ट किया कि हिंदी वैकल्पिक है जबकि मराठी अनिवार्य है।

राज्य सरकार ने पिछले सप्ताह एक संशोधित आदेश जारी किया था जिसमें कहा गया था कि मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पहली से पांचवी कक्षा तक के विद्यार्थियों को हिंदी सामान्यतः तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाई जाएगी, जिसके बाद विवाद पैदा हो गया।

सजा माफ हुई तो फिर बन जाएंगे विधायक... कंवरलाल की दया याचिका पर बवाल

जूली बोले-ऐसा हुआ तो लोकतंत्र की हत्या होगी

बारां, एजेंसी। राजस्थान की राजनीति में इन दिनों बारां जिले की अंता विधानसभा सीट फिर चर्चा में है। वजह हैं पूर्व विधायक कंवरलाल मीणा, जो एसडीएम पर पिस्टल तानने के मामले में तीन साल की सजा पाए हुए हैं और अब राजभवन से दया की गुहार लगा रहे हैं। कंवरलाल की दया याचिका के जरिए न सिर्फ उनकी संभावित राजनीतिक वापसी की राह तलाशी जा रही है, बल्कि इस प्रक्रिया को लेकर विपक्ष ने लोकतंत्र पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं।

क्या है मामला?: बीजेपी के पूर्व विधायक कंवरलाल मीणा को एसडीएम के साथ मारपीट और पिस्टल तानने के मामले में तीन साल की सजा हुई थी। यह सजा पहले ट्रायल कोर्ट और फिर हाईकोर्ट से भी बरकरार रही। सुप्रीम कोर्ट से भी उन्हें कोई राहत नहीं मिली। इसके बाद 2024 में उन्होंने अकलेरा कोर्ट में सरेंडर किया और जेल भेज दिए गए। 23 मई को विधानसभा अध्यक्ष की अनुमति के बाद उनकी सदस्यता समाप्त कर दी गई और चुनाव आयोग को सीट रिक्त होने की सूचना भेज दी गई।

दया याचिका से बहाली की उम्मीद: अब कंवरलाल मीणा ने अपनी सजा माफ करने के लिए राज्यपाल के समक्ष दया याचिका लगाई है।

60 साल की कैंसर से पीड़ित दादी को पोते ने कचरे में फेंका, पुलिस ने किया दो दिनों बाद पोते को गिरफ्तार

मुंबई , एजेंसी। मुंबई में एक परेशान करने वाला मामला सामने आया थी, जहां एक बुजुर्ग महिला कूड़े के ढेर पर पड़ी मिली। कैंसर से पीड़ित इस महिला को उसके पोते ने कथित तौर पर कूड़े में फेंक दिया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और साठ साल की इस महिला के परिवार की तलाश शुरू कर दी है। यह घटना शनिवार को तब सामने आई, जब मुंबई पुलिस ने शहर की आरे कॉलोनी में सड़क पर कूड़े के ढेर के पास 60 वर्षीय यशोदा गायकवाड़ को बेहद कमजोर हालत में पाया। महाराष्ट्र के मुंबई में कैंसर रोगी अपनी दादी को आरे कॉलोनी के पास जंगल में छोड़ने के आरोप में 33 वर्षीय एक व्यक्ति और दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। लगभग 70 वर्षीय महिला 22 जून की सुबह एक कूड़े के ढेर के पास पायी गयी थी और उसकी हालत खराब थी, जिसके बाद पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि सीसीटीवी फुटेज में बुजुर्ग महिला के पोते सागर शेवाले (33), बहनोई बाबासाहेब गायकवाड़ (70) और ऑटो रिक्शा चालक संजय कादरेशम (27) को कथित तौर पर महिला को उस स्थान पर छोड़ते हुए देखा गया। जहां वह मिली थी। अधिकारी ने बताया कि तीनों को बुधवार को भारतीय न्याय संहिता की धारा 125 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाला कृत्य) और माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया। सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि आरोपी बोरीवली निवासी महिला को 21 जून की रात को पहले नगर निगम द्वारा संचालित शताब्दी अस्पताल ले गए, लेकिन जब अस्पताल के अधिकारियों ने उसे भर्ती करने से इनकार कर दिया।

चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों से मिले कैसे-कैसे 70 सुझाव, बसपा की दिलचस्प मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग को भाजपा, समाजवादी पार्टी, सीपीएम और बसपा जैसे तमाम राजनीतिक दलों से करीब 70 सुझाव मिले हैं। फिलहाल आयोग की ओर से इन सुझावों पर विचार किया जा रहा है। इन सुझावों में से आधे तो अकेले भाजपा ने ही दिए हैं। भाजपा का कहना है कि वोटर लिस्ट को तैयार करने और उसमें संशोधन आदि के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भी मदद लेनी चाहिए। इसके अलावा सिर्फ जिला निर्वाचन अधिकारी और मतदाता पंजीयन अधिकारी के अलावा कुछ प्रोफेशनल्स को भी वोटर लिस्ट के काम में शामिल करना चाहिए।

सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट जैसे छोटे राजनीतिक दलों ने भी आयोग को सुझाव दिए हैं, जबकि कांग्रेस ने अब तक बात नहीं की है। तृणमूल कांग्रेस ने डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबर को लेकर चिंता जाहिर की थी, जिसके बाद मार्च में चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों से सुझाव मांगे थे। समाजवादी पार्टी ने एक सुझाव दिया है कि हर महीने बूथवार वोटर लिस्ट को अपडेट किया जाए। इसके अलावा उन मतदाताओं की सूची को साझा किया जाए, जो संबंधित इलाके में न पाए गए हों। कहीं और शिफ्ट हो गए हों, मृत्यु हो गई हो या फिर डुप्लिकेट वोटर के चलते नाम कटे हों।

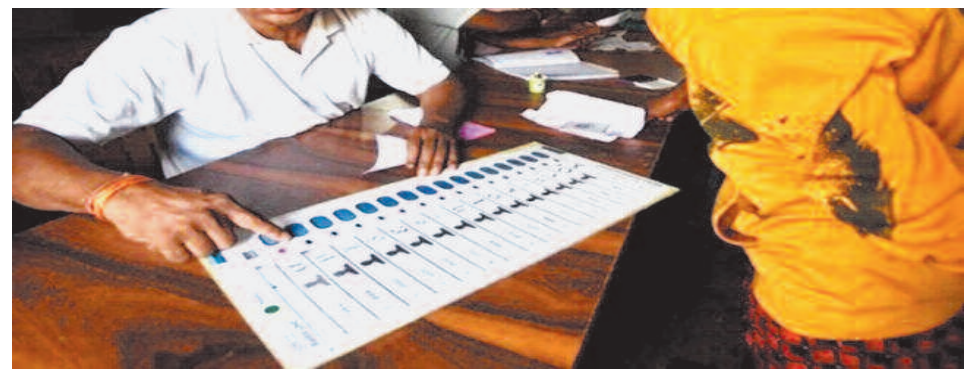

इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार सबसे दिलचस्प सुझाव बसपा ने दिया है। आयोग की ओर से फिलहाल यह अनिवार्य किया गया है कि यदि कोई उम्मीदवार आपराधिक प्रवृत्ति का है तो उसके बारे में अखबार में जानकारी प्रकाशित करानी होगी। इसका खर्च भी कैंडिडेट उठाता है और यह उसके प्रचार राशि में जुड़ जाता है। इस पर बसपा ने आपत्ति जताई है। मायावती की पार्टी का कहना है कि इसे बंद करना चाहिए क्योंकि कमजोर आर्थिक बैकग्राउंड के प्रत्याशियों पर यह एक बोझ होता है।

तीन महीने पहले लगे वोटर के ट्रांसफर पर रोक

सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट का कहना है कि मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से लिंक कर दिया जाए। इसके अलावा चुनाव से तीन पहले मतदाताओं के ट्रांसफर पर रोक लग जानी चाहिए। वहीं भाजपा ने एक सुझाव दिया है कि मतदाताओं को अपने नाम में सुधार कराने, जुड़वाने या हटाने के लिए और सुविधा दी जानी चाहिए। भाजपा का कहना है कि यह प्रक्रिया आसान और डिजिटल होनी चाहिए। इससे लोगों को मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने में आसानी रहेगी।

अमरनाथ यात्रा पंजीकरण में आई 10 प्रतिशत की गिरावट

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा बोले- सुरक्षा के किए जा रहे पूरा इंतजाम

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर इस साल अमरनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों के पंजीकरण में 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। सिन्हा ने राजभवन में संवाददाताओं से कहा कि 22 अप्रैल की घटना से पहले तीर्थयात्रियों का पंजीकरण अच्छी गति से चल रहा था, लेकिन उसके बाद पंजीकरण में कमी आई। पिछले साल की तुलना में पंजीकरण में 10.19 प्रतिशत की गिरावट आई है।

उपराज्यपाल ने कहा कि पहलगाम क्षेत्र के बैसरन में हुए हमले से पहले करीब 2.36 लाख तीर्थयात्रियों ने यात्रा के लिए पंजीकरण कराया था। हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर प्रशासन और सुरक्षा बलों द्वारा उठाए गए कदमों के कारण तीर्थयात्रियों में विश्वास लौट रहा है, जिसके परिणामस्वरूप पंजीकरण में फिर से तेजी आई है। सिन्हा ने कहा कि श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) ने 22 अप्रैल से पहले यात्रा के लिए पंजीकरण कराने वाले तीर्थयात्रियों से दोबारा सत्यापन कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

उन्होंने कहा कि अब तक 85000 तीर्थयात्रियों ने अपने पंजीकरण की पुष्टि की है। हमें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में पंजीकरण में तेजी आएगी। यह पूछे जाने पर कि क्या आतंकी हमले ने इस साल अमरनाथ यात्रा को प्रभावित किया है, सिन्हा ने कहा कि इसने पूरे जम्मू-कश्मीर, खासकर घाटी को प्रभावित किया है। सिन्हा ने यह भी कहा कि काफिला लखनपुर से शुरू होगा और यात्रा भगवती नगर से शुरू होगी। हम सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए काफिले के साथ यात्रा करने वाले सभी लोगों के लिए व्यवस्था कर रहे हैं। मैं निजी वाहन से यात्रा के लिए आने वाले लोगों से भी काफिले के साथ यात्रा करने का अनुरोध करता हूं। उन्होंने कहा कि इस बार हेली सेवाएं बंद कर दी गई हैं... श्राइन बोर्ड और प्रशासन मिलकर यात्रियों, पोनीवालों और पिट्ठूवालों का बीमा करवाते हैं। मेरा आग्रह है कि देश में यह संदेश जाए कि कश्मीर के लोगों की मेहमाननवाजी का कोई मुकाबला नहीं कर सकता। वार्षिक अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा के लिए इस बार केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की कुल 180 कंपनी तैनात की गई हैं, जो पिछले वर्षों की तुलना में 30 अधिक हैं।

पीएम मोदी की नौ रैलियां, 200 सीटों तक असर, बिहार चुनाव के लिए भाजपा का खास प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए तैयारियां तेज हो चुकी हैं। अगले ढाई महीनों के लिए भाजपा ने भी बिहार में बड़े अभियान की तैयारी कर रखी है। खास बात यह है कि भाजपा के इस अभियान का नेतृत्व खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करने वाले हैं। बिहार भाजपा के एक नेता के मुताबिक पीएम मोदी अभी तक बिहार में छह रैलियों को संबोधित कर चुके हैं। आने वाले दिनों में उनके कई और कार्यक्रम यहां पर होने वाले हैं। भाजपा नेताओं के मुताबिक आने वाले दिनों में पीएम मोदी के कई और कार्यक्रम भाजपा में होने वाले हैं। इसके अलावा गृहमंत्री अमित शाह के भी यहां आने की संभावना है।

200 सीटों तक होगा असर : बिहार में पीएम मोदी की कुल नौ रैलियां कराने की योजना है। ईटी के मुताबिक भाजपा नेताओं ने बताया कि इन रैलियों का प्रभाव 200 विधानसभा सीटों के क्षेत्र पर होगा। इनमें से रोहतास और सारण क्षेत्र में दो रैलियां पीएम मोदी पहले ही संबोधित कर चुके हैं। बाकी बची हुई सात रैलियों को अगले ढाई महीने में संबोधित करेंगे। इन रैलियों की तारीख और जगह को लेकर फिलहाल चर्चा चल रही है। जानकारी के मुताबिक अगले करीब एक हफ्ते में इसके बारे में ऐलान हो जाएगा।

सितंबर तक है प्लान : बिहार चुनाव को लेकर पीएम मोदी का यह अभियान सितंबर में खत्म हो जाएगा। यही वह समय है जब यहां पर चुनाव का ऐलान होने वाला है। जानकारी के मुताबिक इस अभियान का मकसद प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश फूंकना है। फिलहाल भाजपा कार्यकर्ता बिहार में डोर-टू-डोर संपर्क कर रहे हैं। इसका मकसद नए वोटर्स की पहचान और उनके रजिस्ट्रेशन में मदद करना है।

राजा हत्याकांड में नया मोड़, दो आरोपियों ने वापस लिया कबूलनामा, मजिस्ट्रेट के सामने साधी चुप्पी

शिलॉन्ग, एजेंसी। मेघालय के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में एक नया मोड़ आया है। इंदौर के कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में गिरफ्तार दो आरोपियों, आकाश और आनंद ने मजिस्ट्रेट के सामने अपने कबूलनामे से इनकार कर दिया है। मेघालय पुलिस के अनुसार, दोनों ने पहले हत्या में अपनी मिलीभगत स्वीकार की थी, लेकिन अब मजिस्ट्रेट के सामने बयान देने से चुप्पी साध ली है।

इंदौर के 29 वर्षीय ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या 23 मई को मेघालय के सोहरा (चेरापूंजी) में उनकी हनीमून यात्रा के दौरान हुई थी। रघुवंशी ने 11 मई को इंदौर में सोनम से शादी की और 20 मई को हनीमून के लिए मेघालय आए थे। वह 23 मई को शिलांग से लगभग 65 किलोमीटर दूर सोहरा में लापता हो गए थे। दो जून को उनका क्षत-विक्षत शव एक झरने के पास खाई में मिला। उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी और उसके कथित प्रेमी राज कुशवाहा पर इस हत्या की साजिश रचने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, राजा को तीन किराए के हत्यारों- विशाल चौहान, आकाश राजपूत, और आनंद

कुर्मी ने सोनम की मौजूदगी में वेई सॉडॉन्ग व्यूपॉइंट पर चाकुओं से हमला कर मार डाला और उनका शव एक गहरी खाई में फेंक दिया गया।

आरोपियों का कबूलनामा और फिर पलटना: मेघालय पुलिस ने इस मामले में अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें सोनम, राज कुशवाहा, तीन किराए के हत्यारे, और सबूत नष्ट करने के आरोप में तीन अन्य शामिल हैं। शुरुआती जांच में आकाश और आनंद ने हत्या में अपनी भूमिका स्वीकार की थी और पुलिस के सामने अपराध की पूरी कहानी बयान की थी। हालांकि, 26 जून को मजिस्ट्रेट के सामने पेश होने पर दोनों ने अपने बयानों से पलटते हुए कोई भी कबूलनामा देने से इनकार कर दिया। शिलांग शहर के पुलिस अधीक्षक हरबर्ट पिनियाड खारकोंगोर राजा हत्याकांड की जांच कर रही विशेष जांच दल (एसआईटी) का नेतृत्व कर रहे हैं।

एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस अधिकारी ने बताया कि आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी चुप रहे और गुरुवार को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किए जाने पर कोई भी बयान देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, हमने (पांच) आरोपियों में से केवल दो को मजिस्ट्रेट के पास भेजा। वे कोई बयान नहीं देना चाहते थे। हमारे पास उनके खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं। हम एफएसएल (फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) रिपोर्ट का भी इंतजार कर रहे हैं। मेघालय पुलिस ने पहले दावा किया था कि सभी आरोपियों ने अपराध कबूल कर लिया है। खारकोंगोर ने बताया कि पुलिस के इकबालिया बयान अदालत में स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने कहा, यह उनका अधिकार है कि वे इकबालिया बयान न दें। लेकिन भौतिक साक्ष्य भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। कोई समस्या नहीं है। हमारे पास मामले में सबूत हैं।

बता दें कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 180 के तहत दर्ज बयान, जांच और जिरह के दौरान अधिकारियों की सहायता करते हैं, लेकिन केवल धारा 183 के तहत मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज बयान ही अदालत में महत्व रखते हैं। पुलिस के मुताबिक, आनंद और आकाश के अलावा, विशाल सिंह चौहान ने पिछले महीने मेघालय में अपने हनीमून के दौरान सोनम और उसके प्रेमी राज कुशवाह को उसके नवविवाहित पति राजा की हत्या करने में सहायता की थी।

सोनम और राज का कबूलनामा: पुलिस के अनुसार, सोनम रघुवंशी और राज कुशवाहा ने अपनी प्रेम संबंध और हत्या की साजिश में अपनी भूमिका स्वीकार की है। दोनों ने पुलिस को बताया कि वे एक रिश्ते में थे और राजा को रास्ते से हटाने की योजना बनाई थी। इस साजिश को इंदौर में राजा और सोनम की शादी से 11 दिन पहले तैयार किया गया था।

थाने का घेराव करने की धमकी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी निवासी किशोरी पांच दिन से लापता है। परिजनों और हिंदू संगठन के लोगों ने कार्रवाई न होने पर रविवार को थाने के घेराव की धमकी दी है। कॉलोनी निवासी व्यक्ति ने बताया कि पड़ोस में दूसरे धर्म के लोग रहते हैं। आरोप है कि पांच दिन पूर्व में पड़ोस में रहने वाले दूसरे धर्म के दो युवक उनकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर ले गए हैं। उन्होंने आशंका जताई है कि आरोपी बेटी का धर्मांतरण कराकर उसके साथ निकाह कर सकते हैं। आरोप लगाया कि मामले की शिकायत करने के बाद भी पुलिस की लापरवाही के चलते बेटी का कोई सुराग नहीं लग सका है। हिंदू संगठन के पदाधिकारियों ने पुलिस द्वारा कार्रवाई न किए जाने पर रविवार को लोनी बॉर्डर थाने का घेराव करने की बात कही है।

पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायत और नौकरी मिले

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मुरादनगर थाने के सामने युवक की हत्या के मामले में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेसी कार्यकर्ता शुक्रवार को जिलाधिकारी से मिले। कार्यकर्ताओं ने आर्थिक मदद के साथ सरकारी नौकरी दिलाने की मांग की। शुक्रवार को कांग्रेस प्रवक्ता डॉली शर्मा जिलाधिकारी दीपक मीणा के आवास पर पहुंचीं। यहां उन्होंने मिलक रावली गांव निवासी रवि शर्मा की हत्या के मामले को उठाया। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए। साथ ही, एक सदस्य को सरकारी नौकरी मिलनी चाहिए। उन्होंने जिलाधिकारी से मांग की कि आरोपी की जमानत का सख्त विरोध हो। इसके लिए विशेष सरकारी वकील की नियुक्ति होनी चाहिए। परिवार को सुरक्षा की जाए, क्योंकि आरोपी की आपराधिक पृष्ठभूमि है। उसके जेल से बाहर आने के बाद पीड़ित परिवार को खतरा है।

घर में घुसकर महिला और उसके भाई के साथ मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी थाना क्षेत्र के बाग राणप गांव में तीन माह पूर्व पड़ोसियों ने घर में घुसकर महिला के साथ मारपीट की। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने बुधवार को तीन नामजद व अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। बाग राणप गांव में संगीता रहती हैं उन्होंने बताया कि दो मार्च को रात दस बजे अपने भाई के साथ शादी समारोह से घर लौट रही थी। आरोप है कि गली में बैठे पड़ोसी के लड़के मिठू व उसके दोश्तों ने उनपर अश्लील कमेंट किये। भाई द्वारा विरोध करने उसने भाई के साथ गाली गलौज कर मारपीट की। वह किसी तरह से भाई को लेकर घर पहुंची। कुछ समय बाद आरोपी अपने परिजनों के साथ उनके घर पर पहुंच गया। आरोपी व उसके साथियों ने मारपीट कर उन्हें जिंदा जलाने की धमकी दी। उन्होंने मामले की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी। जिस पर हमलावर मौके से भाग गये। मारपीट की घटना घर के सामने लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। उन्होंने बताया कि उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए कई बार पुलिस से शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। जिस पर उन्होंने मामले की शिकायत कर न्यायालय से न्याय की गुहार लगाई।

बढ़े हुए हाउस टैक्स को लेकर फ्लैट ओनर फेडरेशन ने की बैठक

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। बढ़े हुए हाउस टैक्स को लेकर फ्लैट ओनर फेडरेशन की शुक्रवार को ऑनलाइन बैठक आयोजित हुई। इसमें सभी ने एक स्वर में बढ़े हुए हाउस टैक्स का विरोध किया। फेडरेशन के चेयरमैन टीपी त्यागी ने कहा कि हाउस टैक्स को बढ़ाने का निर्णय गलत है। गाजियाबाद शहर के नागरिकों का है। इससे लोगों पर बोझ पड़ेगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि 30 जून तक अगर हाउस टैक्स वृद्धि वापस नहीं ली गई तो जिले के अधिकतर आरडब्लूए के साथ मिलकर 10 जुलाई को नगर निगम कार्यालय पर धरना दिया जाएगा। बैठक में डॉ पवन कौशिक, कैलाश चंद्र शर्मा, जय दीक्षित, मुकेश अग्रवाल आदि लोग मौजूद रहे।

मकान से दो मोबाइल चोरी

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। ऐच्छर गांव में किराये के मकान में रहने वाले युवक के दो मोबाइल फोन चोरी हो गए। घटना के समय पीड़ित शौचालय में था। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक प्रसून कुमार मिश्रा ऐच्छर गांव में किराये के मकान में परिवार के साथ रहता है। प्रसून ने पुलिस को बताया कि वह बुधवार की देर रात कमरे में अपने दो मोबाइल फोन रखकर शौचालय में चला गया। इसी बीच कमरे से दोनों मोबाइल चोरी हो गए। पांच मिनट बाद पीड़ित शौचालय से बाहर निकाला तो मोबाइल चोरी होने के बारे में पता चला। पीड़ित ने इस बारे में परिवार के लोगों से भी पूछा, लेकिन किसी ने नहीं बताया। पीड़ित ने घटना की शिकायत पुलिस से की। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस चोरों की तलाश में जुटी है। चोरों का पता लगाकर मोबाइल बरामद किए जाएंगे।

शाहरूख कफ़ील अंसारी आजाद समाज पार्टी के नगर अध्यक्ष मनोनित

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। आजाद समाज पार्टी हाईकमान ने नगर के मोहल्ला नौंधा निवासी शाहरुख कफील पुत्र मरहूम डॉ कफील अंसारी को संगठन के प्रति निष्ठा लगन शीलता व पार्टी हित मे उनके द्वारा लगातार किए जा रहे कार्यों को देखते हुए उन्हे नहटौर का नगर अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। उनके नगर अध्यक्ष मनोनीत होने पर उनके शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। नवनियुक्त नगर अध्यक्ष शाहरुख कफील ने कहा कि जो जिम्मेदारी संगठन ने उन्हें दी है वह उस जिम्मेदारी को परी ईमानदारी के साथ निभाएंगे और पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे। इस मौके पर नवेद अंसारी, बंटी, मोहसिन अंसारी, हाजी बब्बू अंसारी, शेख शहजाद आलम, मोहम्मद शाहरुख कस्सार आदि ने बधाई दी।

चाकू समेत युवक गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। थाना मडराक पुलिस टीम ने एक अभियुक्त अनुपम पुत्र साहूकार निवासी ग्राम सहारनपुर थाना मडराक जिला अलीगढ़ को मय एक अवैध चाकू के साथ ग्राम हसनपुर की तरफ से गिरफ्तार किया गया।

ग्रेटर नोएडा के इकोविलेज-1 में मेंटेनेंस स्टाफ की गुंडागर्दी

रेजिडेंट्स के साथ की मारपीट चार आरोपी गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

ग्रेटर नोएडा वेस्ट की सुपरटेक इको विलेज 1 हाउसिंग सोसायटी में एक बार फिर हंगामा और मारपीट का वीडियो सामने आया है। यह मारपीट मेंटेनेंस स्टाफ और वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने वहां रहने वाले रेजिडेंट के साथ की है। डंडों और लात घूंसों से सोसायटी के निवासियों को मारा गया। इसके बाद पुलिस शिकायत हुई और पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक सुपरटेक इकोविलेज-1 हाउसिंग सोसाइटी में गुरुवार रात उस समय हड़कंप मच गया जब कुछ स्थानीय निवासी खराब लाइट और सुविधाओं को लेकर मेंटेनेंस ऑफिस में शिकायत करने पहुंचे। लेकिन शिकायत सुनने की बजाय, मेंटेनेंस एजेंसी 'ग्रेविटी' के स्टाफ ने रेजिडेंट्स के साथ खुलेआम बदसलूकी और मारपीट शुरू कर दी। घटना थाना बिसरख क्षेत्र की है।

बताया जा रहा है कि मेंटेनेंस स्टाफ ने रेजिडेंट्स को गालियां दीं और विरोध करने पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। लोगों ने इसका विरोध किया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना बिसरख की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को काबू में किया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार किए गए मेंटेनेंस स्टाफ कर्मियों में रविन्द्र (निवासी सेक्टर-3, बी ब्लॉक, बिसरख), सोहित (निवासी ग्राम दुजाना, बादलपुर), सचिन कुन्तल (निवासी मथुरा, वर्तमान पता अवध अपार्टमेंट, बरौला, सेक्टर-49, नोएडा) और विपिन कसाना (निवासी ग्राम नगला सैंथली, थाना जारचा) शामिल हैं। सभी की उम्र 27 से 33 वर्ष के बीच है। इस घटना से सोसायटी के निवासियों में रोष है।

उनका कहना है कि ग्रेविटी मेंटेनेंस एजेंसी लगातार लापरवाही बरत रही थी और जब लोग अपनी समस्याएं लेकर उनके पास पहुंचे, तो उन्होंने गुंडागर्दी पर उतरकर मारपीट शुरू कर दी। स्थानीय निवासियों ने एजेंसी को हटाने और उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन इस पर सख्त कदम नहीं उठाता, तो भविष्य में और भी गंभीर घटनाएं हो सकती हैं।

बिजली विभाग में संविदा कर्मी की करंट से मौत

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

गभाना में जमालपुर गांव में विद्युत विभाग के संविदा कर्मी मदनपाल (35) की हाई टेंशन लाइन से करंट लगने से मौत हो गई। मदनपाल अमरौली बिजली घर में संविदा कर्मी के रूप में कार्यरत थे। घटना उस समय हुई जब मदनपाल एक ट्यूबवेल की बिजली आपूर्ति में आई खराबी को ठीक करने गए थे।

उन्होंने काम शुरू करने से पहले विद्युत उपकेंद्र से शटडाउन मांगा था। लेकिन शटडाउन नहीं मिलने के बावजूद वह पोल पर चढ़कर हाई टेंशन लाइन ठीक करने लगे। इसी दौरान अचानक लाइन में करंट आ गया। मदनपाल गंभीर रूप से झुलस गए और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।

उन्होंने विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया। परिजनों का कहना था कि समय पर शटडाउन मिलता तो यह हादसा टल सकता था। ग्रामीणों ने दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। गभाना थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

केमिकल कंपनी में आग से लाखों का नुकसान, दमकल की 12 गाड़ियां पहुंची

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

नोएडा के थाना फेज-1 क्षेत्र के सेक्टर-2 स्थित एक केमिकल कंपनी में शुक्रवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई।

यह आग शाम पेंट्स इंडस्ट्रीज नामक निजी कंपनी में लगी, जिसमें बड़ी मात्रा में केमिकल और ज्वलनशील पदार्थ होने के कारण आग ने कुछ ही समय में विकराल रूप ले लिया। घटनास्थल से धुएं का घना गुबार आसमान में साफ तौर पर देखा जा सकता था, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने आसपास के लोगों को आग लगने की जगह से दूर किया है और आसपास बनी फैक्ट्री को भी खाली कराया गया है। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कुल 12 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, जिनमें शुरुआती तौर पर 7 गाड़ियां आग पर काबू पाने की कोशिश में जुट गईं। इसके साथ ही नोएडा पुलिस की टीमें और थाना फेज-1 का स्थानीय पुलिस बल भी मौके पर मौजूद है।

सुरक्षा के मद्देनजर आसपास की कई कंपनियों और फैक्ट्रियों को तुरंत खाली कराया गया है। फायर ब्रिगेड लगातार आग को नियंत्रित करने की कोशिश में लगी हुई है। हालांकि, अभी तक आग लगने के कारणों का स्पष्ट रूप से पता नहीं चल सका है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग सबसे पहले फैक्ट्री के पीछे वाले हिस्से में लगी और देखते ही देखते पूरे परिसर में फैल गई। अधिकारियों के अनुसार, इस हादसे में किसी भी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है।

मौके पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि कंपनी के अंदर रखे गए केमिकल्स और ज्वलनशील पदार्थों के कारण आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाने में समय लग सकता है।

दमकल विभाग की टीमें स्थिति को पूरी तरह नियंत्रण में लाने तक ऑपरेशन जारी रखेंगी।

कार ने मारी बाइक में मारी टक्कर
बाइक सवार 3 घायल, हालत गंभीर

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

बुधवार रात जलालाबाद बाईपास के पास वह एक्सीडेंट का वीडियो आया सामने। जहां योगी सरकार के कार्यकाल में बदमाशों पर प्रशासन की लगाम कसी हुई है।

वही जिला बिजनौर के नजीबाबाद क्षेत्र में अपराधियों के इतने बुलंद हौसले हो गए हैं कि वह रात के अंधेरे में अपनी कार के नीचे कुचलनें से भी नहीं डरते। आपको बता दें कि

बुधवार रात करीब 12:00 बजे नजीबाबाद से बिजनौर की ओर जलालाबाद बाईपास पेट्रोल पंप के पास एक कार ने तीन बाइक सवार को टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूत्रों की माने तो पता चला है कि कार महिंद्रा की एक्स यू वी 500 थी।

बाइक सवार लोगों पर जानलेवा हमला करने के बाद कार बिजनौर की तरफ को चली गई। सूत्रों की माने तो भनेड़ा टोल टैक्स पर भी बिना रुके कार टोल पार कर गई। जिसने टोल टैक्स पर लगे खंभे को भी उखाड़ दिया।

वहां बैठे कर्मचारियों ने भी भाग कर अपनी जान बचाई। टक्कर इतनी भयंकर थी कि बाइक सवार तीनो लोगों की पैर की हड्डियां टूट गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर एंबुलेंस बुलाई एवं घायल लोगों को बिजनौर जिला अस्पताल के लिए रवाना किया।

घायल युवक ने बताया कि कार चालक ने जानबूझकर बैक करके बाइक में टक्कर मारकर जानलेवा हमला किया है। 2 दिन बाद भी इस मामले में थाना नजीबाबाद में कोई मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है।

राकिमसं ने डीएम के नाम 6 सूत्रीय मांग पत्र एसडीओ को सोपा

✷ एनसीआर टुडे. हल्दौर ✷

राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन ने जिलाधिकारी के नाम एक 6 सूत्रीय मांगों को लेकर एक ज्ञापन विधुत उपखंड अधिकारी को सौंपा।

शुक्रवार को राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के दर्जनों कार्यकर्ताओं ने अपनी छह सूत्रीय मांगों को लेकर एक ज्ञापन जिलाधिकारी के हल्दौर विधुत उपखंड अधिकारी को सौंपा गया जिसमें किसानों का बकाया गन्ना भुगतान, क्षेत्र में घूम रहे गुलदारों से निजात दिलाने, आवारा पशुओं को पकड़वा कर गौशालाओं में भिजवाना, विधुत विभाग से प्रीपेड विधुत मीटर न लगवाना, सैडूल अनुसार विधुत आपूर्ति कटौती न हो, जर्जर तार एवं टूटे हुए पोल शीघ्र बदलवाएं जाएं। इस अवसर पर राकेश कुमार - नरेन्द्र सिंह - ध्यान सिंह - कुलदीप राणा - मनीष चौहान - विरेन्द्र सिंह अवनीश चौहान राजेन्द्र सिंह चंचल चौहान देवेन्द्र उर्फ बिट्टू सुनील कुमार आदि दर्जनों किसान कार्यकर्ता शामिल रहे।

महिलाओं से दोस्ती कर रकम ऐंठने वाला दबोचा

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

सेक्टर-58 थाने की पुलिस ने नौकरीपेशा युवतियों और तलाकशुदा महिलाओं से दोश्ती कर ठगी करने वाले को सेक्टर-56 से शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अब तक करीब 30 से अधिक महिलाओं और युवतियों से रकम ऐंठ चुका है। आरोपी ने बीते दिनों मेट्रोमोनियल साइट के जरिये दोश्ती कर महिला इंजीनियर से 64 लाख रुपये हड़प लिए थे।

एडिशनल डीसीपी सुमित कुमार शुक्ला ने बताया कि बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करने वाली तलाकशुदा महिला ने सेक्टर-58 थाने में शिकायत दी थी कि एक व्यक्ति ने खुद को सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर उससे मेट्रोमोनियल साइट के जरिये दोश्ती की। शादी का झांसा देकर उसने 64 लाख रुपये की ठगी कर ली। आरोपी को जब सारे रुपये मिल गए तो उसने महिला से संपर्क तोड़ लिया। इस मामले में महिला ने नेहुल सुराना नाम के व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कराया था। इसके बाद आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एसीपी स्वतंत्र सिंह की अगुवाई में एक टीम बनाई गई। पुलिस टीम ने राजस्थान के जयपुर निवासी 32 वर्षीय नेहुल को सेक्टर-56 के पास से गिरफ्तार कर लिया। नेहुल ने पंजाब के लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी से बीकॉम की पढ़ाई की है। वह भी तलाकशुदा है।

पूछताछ करने पर आरोपी ने बताया कि वह मेट्रोमोनियल साइट व सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रोफाइल बनाकर नौकरीपेशा युवतियों और तलाकशुदा महिलाओं से दोश्ती करता। महिलाओं और युवतियों को भावात्मक तरीके से ब्लैकमेल कर फंसा लेता। तरह-तरह की कहानी और और मजबूरी बताकर वह महिलाओं के करीब आता है और शादी करने का झांसा देकर भविष्य के सुनहरे सपने दिखाता। प्रभाव में लेने के लिए वह खुद को कभी मेजर तो कभी इंजीनियर बताता।

आरोपी वर्दी में अपनी फोटो भी पीड़ित को भेजता ताकि उसे आसानी से विश्वास में लिया जा सके। जब महिलाओं और युवतियों का विश्वास उस पर हो जाता तो वह प्रॉपर्टी, कीमती वाहन और घर समेत अन्य लग्जरी चीजें खरीदने के बहाने रुपये लेने शुरू कर देता। जब तक उसे रकम मिलती, तब तक वह दोश्ती निभाता। जैसे ही रुपये मिले बंद होते, वह संपर्क तोड़ देता। महिलाओं और युवतियों से मिले रुपये को आरोपी मौज-मश्ती और महंगे शौक में उड़ाता। इसके अलावा वह ठगी की रकम को क्रिप्टो और यूएसडीटी समेत अन्य माध्यमों में निवेश भी करता।

आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पीड़िता ने कहा कि आरोपी ने उसका विश्वास तोड़ा। भविष्य के सपने दिखाए और अचानक से सारी खुशियां बिखेर कर रख दीं। विश्वास तोड़ने पर उसे माफ नहीं किया जा सकता है। आरोपी के पास से दो मोबाइल, चार सिम, सात एटीएम कार्ड, तीन अलग-अलग कंपनियों के गेम कार्ड, आधार

हलदौर को तहसील बनाने का मुद्दा विधायक ने मुख्यमंत्री के सामने उठाया

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

हल्दौर को तहसील बनाने का मुद्दा विधायक ओमकुमार द्वारा मुख्यमंत्री के समक्ष उठाया गया। इसके अलावा उन्होंने ढाई दर्जन सड़कों के निर्माण का प्रस्ताव एवं गुरु रविदास आश्रम बालावाली के जीर्णोद्धार व पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग की। लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट करते हुए नहटौर विधायक ओम कुमार ने विधानसभा क्षेत्र में 28 सड़को के निर्माण हेतु प्रस्ताव दिया।

विधायक ने मुख्यमंत्री को बताया कि हल्दौर को तहसील बनाये जाने की जांच तथ्यों पर आधारित नहीं थीं। उन्होंने कहा विधानसभा के 110 गांव धामपुर, बिजनौर तहसील के अंतर्गत आते हैं तथा लोगों को 25 से 30 किलोमीटर तहसील के कार्यों के लिए जाना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि पूर्व में प्रस्तावित हल्दौर तहसील में बिजनौर तहसील को विभाजित करके 60 लेखपाल क्षेत्र हल्दौर में तहसील बनाए जाना प्रस्तावित था। हल्दौर को तहसील बनाए जाने से लाखों लोगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि नगीना लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत वाले मां गंगा के तट पर स्थित प्राचीन रविदास आश्रम बालावाली जो सर्व समाज की आस्था का केंद्र है।

जहां पर गंगा स्नान पर मेले का आयोजन किया जाता है। उक्त स्थल को पर्यटन स्थल के रूप में घोषित कर विकसित करने की मांग की। विधायक ओम कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री से भेंट वार्ता सकारात्मक रही। हल्दौर को तहसील बनाने का मुद्दा पूरे जोर शोर से उठाया गया।

अलग-अलग मामलों में पुलिस ने तीन अभियुक्त किये गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

पुलिस ने अलग-अलग मामलों तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार करके जेल भेजा है। इसी क्रम में थाना गांधीपार्क पुलिस टीम ने एक वारण्टी अभियुक्त सुनील पुत्र विशनलाल निवासी बाल्मीकि बश्ती अचलताल थाना गांधीपार्क को बाल्मीकि बश्ती अचलताल से गिरफ्तार किया गया ।

वहीं थाना देहलीगेट पुलिस टीम ने एक वारण्टी अभियुक्त नदीम पुत्र यामीन निवासी पीले क्वार्टर झलकारी नगर थाना देहलीगेट गिरफ्तार किया है। तो वहीं थाना हरदुआगंज पुलिस ने वांछित अभियुक्त गोपाल पुत्र हजारी लाल निवासी कौरेह थाना बरला जनपद अलीगढ़ को बैरामगढी बम्बे से गिरफ्तार किया गया। उधर वहीं थाना बन्नादेवी पुलिस टीम ने वांछित अभियुक्त भोला पुत्र देवेन्द्र कुमार उर्फ भीमा निवासी अमरौली थाना जवाँ जिला अलीगढ़ को डी विश्वास तिराहे से गिरफ्तार किया गया।

एआईएमआईएम के जिलाध्यक्ष का जोरदार स्वागत

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

एआईएमआईएम के जिलाध्यक्ष बिजनौर मुफ्ती रियाज मेहंदी का नगीना पहुंचने पर फूलमालाओ द्वारा स्वागत किया गया।

आगामी चुनावों को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में एआईएमआईएम के बिजनौर जिला अध्यक्ष मुफ्ती रियाज मेहंदी के नगीना आगमन आयोजन स्थल पर भारी भीड़ जुटी। कार्यक्रम के दौरान जिला अध्यक्ष ने अपने संबोधन में पार्टी के उद्देश्य को रेखांकित करते हुए कहा, एआईएमआईएम समाज के हर वर्ग की आवाज उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

हम नगीना में संगठन विश्तार का संकल्प लेकर आए हैं और आगामी चुनाव में जनता को एक सशक्त विकल्प देंगे। डॉ इफ्तेखार ने भी सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'नगीना के विकास और जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता दी जाएगी। हम पार्टी के संदेश को घर-घर तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं से सहयोग की अपील करते हैं। इस कार्यक्रम में एआईएमआईएम के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग बड़ी संख्या में मौजूद थे।

एआईएमआईएम को मिल रहे बढ़ते समर्थन से यह संकेत मिल रहा है कि पार्टी आगामी चुनावों में मजबूत दावेदारी पेश कर सकती है। इस मौके पर मौ जावेद जिला सचिव, मौ नबील जिला महासचिव, कारी अब्दुल करीम जिला महासचिव, मौ खुर्शीद अलम जिला कोषाध्यक्ष, मुफ्ती रियाज मेहदी जिलाध्यक्ष, डॉ इफ्तेखार सचिव पश्चिमी उत्तर प्रदेश व पूर्व प्रत्याhशी पति विधानसभा नगीना, शम्सुल इस्लाम जिला महासचिव, नईम कुरैशी, जाहिद अंसारी, आमिर कुरैशी जिला सचिव, मुबीन उर्फ गुड्डू विधान सभा अध्यक्ष, सलीम अहमद नगर अध्यक्ष मौ आबिद, मौ महताब आदि मौजूद रहे।

पूर्व विधायक की मीट फैक्ट्री में दो की मौत

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना रोरावर क्षेत्र में आगरा के पूर्व विधायक की मीट फैक्ट्री में दो मजदूरों की मौत हो गई। दोनों मजदूर फैक्ट्री के अंदर ब्लड टैंक साफ करने के लिए उतरे थे, इसी दौरान टैंक के अंदर गैस बन गई। बताया जा रहा है कि दोनों मजदूर बेहोश होकर टैंक में ही गिर गए थे।

इसके बाद ठेकेदार उन्हें लेकर मलखान सिंह जिला अस्पताल पहुंचा था। वहां डॉक्टर ने जॉच के बाद दोनों मजदूरों को मृत घोषित कर दिया, वहीं मजदूर की मौत की सूचना मिलने पर क्षेत्रीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे मे लेकर अंत्य परीक्षण के लिए पोस्टमार्टम गृह के लिए भेज दिया।

थाना रोरावर क्षेत्र के तलासपुर में आगरा के पूर्व विधायक जुल्फेकार अहमद भुट्टो की महा एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड नाम से मीट फैक्ट्री है। इसकी देखरेख उनके भाई हाजी गुलजार करते हैं, घटना गुरुवार दिन रात की बताई जा रही है। देर रात को हर दिन की तरह ब्लड टैंक साफ करने के लिए दो मजदूर आसिफ व इमरान उसके अंदर उतरे थे और पानी भर रहे थे।

वह टैंक के अंदर पानी भरकर इसकी सफाई कर रहे थे। इसी दौरान वह अचानक बेहोश हो गए इसके बाद पूरी फैक्ट्री में हड़कंप मच गया और अन्य मजदूर भी वहां पहुंच गए। मजदूरों की मौत देर रहती हो गई थी और डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। लेकिन परिवार के लोगों को सुबह 6 घटना की जानकारी दी गई। इसके बाद परिवार के लोग तत्काल जिला अस्पताल पहुंच गए। परिवार के लोगों ने फैक्ट्री के ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया।

इसके बाद पुलिस ने परिवार के लोगों को सख्त कार्यवाही का आश्वासन दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पूर्व विधायक की मीट फैक्ट्री में मजदूरों की मौत की सूचना मिलने पर एएसपी मयंक पाठक, सिटी मजिस्ट्रेट, रोरावर थाना प्रभारी शिव शंकर गुप्ता समिति अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच गए और मामले की जांच शुरू करी। पुलिस मौके पर मौजूद मजदूर और ठेकेदार से पूछताछ करने के बाद अपनी जांच को आगे बढ़ा रही है।

घटना में प्रबंधन और ठेकेदार पर लापरवाही के आरोप लग रहे हैं। दम घुटने के कारण मजदूरों की मौत बताई जा रही है। माही पुलिस अब फैक्ट्री प्रबंधन के लोगों से पूछताछ कर रही है। जिससे कि मामले की सारी सच्चाई सामने आ सके।

एसपी सिटी मृगांक शेखर पाठक ने बताया कि मीट फैक्ट्री में दो मजदूरों की मौत हो गई है। शवों का अंत्य परीक्षण कराया जा रहा है जिससे मौत के कारण स्पष्ट हो सके। प्रबंधन और फैक्ट्री के लोगों से पूछताछ की जा रही है। इस मामले में तहरीर प्राप्त कर मुकदमा दर्ज किया जाएगा और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जांच कमेटी पोषाहार का वितरण कराएगी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

जिले में पोषाहार वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए बाल विकास विभाग ने जांच कमेटी का गठन किया है। विभाग के कर्मचारी जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों पर वितरण के दौरान मौजूद रहेंगे।

जांच कमेटी में विभाग के सीडीपीओ और जिला समन्वयक शामिल रहेंगे, जो यह सुनिश्चित करेंगे कि पोषाहार का वितरण सही तरीके से हो सके और योजना का लाभ लाभार्थियों को मिले। इसके अतिरिक्त इस प्रणाली को ई-केवाईसी आधारित बनाया जा रहा है।

इसके तहत लाभार्थियों का सत्यापन चेहरों और मोबाइल नंबर से होगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर मोबाइल ऐप या डिवाइस के माध्यम से लाभार्थी की तस्वीर खींचकर उसे आधार डाटाबेस से मिलाया जाएगा। इससे फर्जी लोगों की पहचान होगी और सरकार की योजनाओं का लाभ सही पात्र व्यक्तियों तक पहुंचेगा।

सरकार की योजनाओं का लाभ सही पात्र व्यक्तियों तक पहुंचेगा। अभी तक की व्यवस्था में कई बार देखा गया था कि गैर पात्र लोग पोषाहार का लाभ ले लेते थे। अब जिन लाभार्थियों की ई-केवाईसी नहीं होगी, उनको पोषाहार का वितरण नहीं किया जाएगा।

संपादकीय

अंतरिक्ष में भारत का 'लाल'

अंतरिक्ष में छलांग लगा कर एक और इतिहास रचा गया है। भारत के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला पहले भारतीय हैं, जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) तक पहुंचे हैं। अलबत्ता तत्कालीन विंग कमांडर राकेश शर्मा के बाद दूसरे भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं, जो अंतरिक्ष में मानव जीवन की संभावनाओं को टटोलने की एक अद्भुत और दुर्लभ यात्रा पर हैं। करीब 41 साल बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में जा पाया है। भारत माता के ऐसे 'लाल' को बधाई और ढेरों शुभकामनाएं...। शुभांशु भारतीय वायुसेना में ग्रुप कैप्टन हैं और लड़ाकू विमान उड़ा चुके हैं। उन्हें 2000 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव है। अंतरिक्ष मिशन में भी वह पायलट की भूमिका में हैं। आसमान में विचरण करना उनका पेशा है, लेकिन इस बार उन्होंने आईएसएस में 14 दिन बिताने का बीड़ा उठाया है। यह प्रथम अवसर है, जब भारत सरकार की कैबिनेट ने प्रश्ताव पारित कर, तालियां बजा कर, शुभांशु की अंतरिक्ष यात्रा का स्वागत किया है, शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें 140 करोड़ (असल आबादी 146 करोड़ से अधिक) भारतीयों की 'उम्मीद' करार दिया है।

जब राकेश शर्मा अप्रैल, 1984 में अंतरिक्ष में गए थे, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उनसे पूछा था-ऊपर से भारत कैसा दिखता है? राकेश का जवाब था-'सारे जहां से अच्छा...।' इस बार शुभांशु ने भारतीयों के नाम पहला ऑडियो संदेश भेजा-'क्या अद्भुत सफर है! हम 7.5 किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे हैं। मेरे कंधे पर तिरंगा मुझे बताता है कि मैं आप सभी के साथ हूं। यह भारत के मानव अंतरिक्ष मिशन की शुरुआत है। आप सभी इस सफर का हिस्सा बनें। आपका सीना भी गर्व से चौड़ा होना चाहिए।... जय हिन्द, जय भारत।' बेशक यह अभियान आईएसएस तक जाने की यात्रा भर नहीं है, बल्कि भारत के 'मानव अंतरिक्ष मिशन' का पूर्वाभ्यास है। भारत का 'गगनयान' 2027 में अंतरिक्ष में जाना प्रश्तावित है। भारत 2035 तक अपना 'अंतरिक्ष स्टेशन' बनाने की योजना पर कार्यरत है। 2040 तक चंद्रमा पर इनसान भेजने का लक्ष्य है। मानव अंतरिक्ष मिशन में शुभांशु की इस यात्रा का अनुभव महत्वपूर्ण रहेगा। चूंकि 2030 तक आईएसएस सेवानिवृत्त होना लगभग तय है, लिहाजा निजी कंपनियां अपने अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने में जुटी हैं। जिस 'एक्सिओम-4' के तहत शुभांशु का चार सदस्यीय मिशन भेजा गया है, वह भी निजी कंपनी का प्रयास है। हालांकि इसरो, नासा आदि ने मिलकर मिशन को आकार दिया है। शुभांशु ने रूस में, इसरो और नासा के अंतरिक्ष केंद्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उसका 2019 में 'गगनयान' के लिए भी चयन हो चुका है। बहरहाल मिशन में शुभांशु भारतीय हैं, शेष तीन अंतरिक्ष यात्री अमरीका, पोलैंड और हंगरी के निवासी हैं।

अमरीका की पैगी व्हिटसन अंतरिक्ष में 665 दिन गुजार चुकी हैं, लिहाजा उन्हें मिशन कमांडर बनाया गया है। यह मिशन आईएसएस में कुल 60 वैज्ञानिक प्रयोग करेगा। उनमें से 7 प्रयोग भारत के लिए किए जाएंगे। उन प्रयोगों में प्रमुख हैं-मांसपेशियों की हानि का अध्ययन, मूंग और मेथी जैसे भारतीय सुपर फूड को माइक्रोग्रैविटी में उगाने का प्रयोग, माइक्रोएल्गी (सूक्ष्म शैवाल) की तीन प्रजातियों की वृद्धि, चपाचय और आनुवंशिक गतिविधियों का अध्ययन, अंतरिक्ष में सूक्ष्मजीवी के व्यवहार और वृद्धि का अध्ययन, अंतरिक्ष में कम्प्यूटर स्क्रीन के उपयोग के शारीरिक और संज्ञानात्मक प्रभावों का अध्ययन और मानव कोशिकाओं की उम्र बढने की प्रक्रिया का अध्ययन। अंतरिक्ष यात्रा के मानव शरीर पर कई असर पड़ते हैं, क्योंकि वहां ग्रैविटी नहीं है। हृदय, पीठ के लिगामेंट्स, खड़े रहने या चलने में असमर्थता, हड्डियों और मांसपेशियों आदि पर प्रभाव पड़ते हैं, लिहाजा अंतरिक्ष में योग और व्यायाम अनिवार्य हैं। आईएसएस में ग्लूकोज और इंसुलिन पर भी विशेष अध्ययन किया जाएगा, जो भविष्य में मधुमेह के इलाज की दिशा बदल सकता है। बेशक शुभांशु मानवता के कल्याण की यात्रा पर हैं। वह और उनके साथियों का यह सफर सुखद रहे, ऐसी कामना है।

कविता/भूल गये सत्कवर्मों को

कौन बनाया ईश्वपर अल्लााह, कौन बनाया धर्मों को,
इंसानों को बांट दिए हैं, बांट दिए वो कर्मों को,
ऊंच-नीच का भेद बनाया, और बनाया धर्मों को,
जातिभेद का पाठ पढ़ाकर, भूल गये सत्कधर्मों को,
कौन बनाया गिरजाघर को कौन बनाया मंदिर को,
कौन बनाया गुरूद्वारे को कौन बनाया मस्जितद को,
हाथ लगे इंसानों के और भूल गये उन कर्मों को,
पाठ पढ़ाकर पूजा का और भूल गये सत्कजर्मों को,
कौन बनाया भक्तोंज को और कौन बनाया संतों को,
संत, मौलवी, सन्याोसी सब भूल गये सत्कसर्मों को,
कौन बनाया धरती मां को कौन बनाया अंबर को,
कौन बनाया दिनकर को और बनाया तारों को,
कौन बनाया ईश्वरर अल्लारह, कौन बनाया धर्मों को,
इंसानों को बांट दिए हैं, बांट दिए वो कर्मो को,
ऊंच-नीच का भेद बनाया, और बनाया धर्मों को,
जातिभेद का पाठ पढ़ाकर, भूल गये सत्कधर्मों को,
मिट्टी बेचा, पानी बेचा, बेच दिया भगवानों को,
सौदा करना कौन सिखाया कफनों के इंसानों को,
कौन बनाया ईश्वपर अल्लाफह, कौन बनाया धर्मों को,
इंसानों को बांट दिए हैं, बांट दिए वो कर्मों को,
घर का ऑगन बांट दिए हैं बांट दिए हैं खेतों को,
खेतों की सीमा को छोड़ो बांट दिए हैं देशों को,
इंसानों में भेद बनाकर बांट दिए इंसानों को,
कौन बनाया ईश्वभर अल्लााह, कौन बनाया धर्मों को,
इंसानों को बांट दिए हैं, बांट दिए वो कर्मों को,
ऊंच-नीच का भेद बनाया, और बनाया धर्मों को,
जातिभेद का पाठ पढ़ाकर, भूल गये सत्कधर्मों को,
जातिभेद का भेद बनाया छोड़ो उन दरवाजों को,
मिट्टी बेची, पानी बेचा, बेचा है भगवानों को,
सौदा करना कौन सिखाया कफनों के इंसानों को,
कौन बनाया ईश्वभर अल्लाफह, कौन बनाया धर्मों को,
बांट दिए हैं इंसानों को छोड़ो उन शैतानों को,
ऊंच-नीच का भेद बनाया, और बनाया धर्मों को,
जातिभेद का पाठ पढ़ाकर, भूल गये सत्कधर्मों को।।

प्रकृति एवं जीवन रक्षा को नदियों का संरक्षण जरूरी

ललित गर्ग

भारत में कई नदियां सूखने या प्रदूषित होने के कारण मरने के कगार पर हैं। इन नदियों की हालत इतनी खराब हो गई है कि कुछ तो नालों में बदल गई हैं और उनका नदी होना भी मुश्किल है। नदियों के सूखने और प्रदूषित होने के कारणों में मुख्य हैं, अत्यधिक पानी का दोहन, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन।

नदियां जीवन का आधार है, लेकिन तेजी से बढ़ते प्रदूषण, तथाकथित भौतिकवादी सोच एवं नदियों के प्रति उपेक्षा एवं दोहन के कारण कई नदियां अब 'मृत' होने की कगार पर है। गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियां भी दुनिया की प्रदूषित नदियों में शामिल हो चुकी है।

राष्ट्रीय श्तर पर नदी प्रबंधन, नदी प्रदूषण और नदी संरक्षण से संबंधित मुद्दों पर लोगों को जागरूक करना नितांत आवश्यक है। नदियां के अत्यधिक ख़तरे में होने से मानव जीवन, पर्यावरण एवं प्रकृति भी संकट में है। जरूरत है मानसूनी जल को नदियों से जोड़ने एवं संरक्षित करने की।

देश में सर्वत्र नदियों का अशितत्व खतरे में है। विशेषतः उत्तर प्रदेश में नदियों की संख्या लगभग 1,000 है, जिनका 55 हजार किलोमीटर का नेटवर्क है। उनमें से 30 हजार किलोमीटर क्षेत्र में जल घटा है या सूखा है। प्रदेश की 100 छोटी और सहायक नदियां सूख चुकी हैं। बिहार की 50 से अधिक नदियां संकट में हैं। इनमें 32 बड़ी नदियां सूख चुकी हैं, जबकि 18 में पानी थोड़ा बचा है।

यमुना नदी भारत की सबसे प्रदूषित नदियों में से एक है और यह अत्यधिक प्रदूषण और पानी के अत्यधिक दोहन के कारण मरने के कगार पर है। साहिबी नदी, जो कभी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान की एक महत्वपूर्ण नदी थी। ओडिशा में कई नदियां सूख रही हैं और प्रदूषित हो रही हैं, जिससे वहां के पर्यावरण और लोगों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

हैरानी की बात है कि गंगा, सोन और अघवारा जैसी बड़ी नदियों में भी पानी कम है। उत्तराखंड में अल्मोड़ा-हल्द्वानी की लाइफलाइन कोसी और गौला नदियों का जलश्तर कम हो रहा है।

महानदी बचाओ आंदोलन और ओडिशा नदी सुरक्षा समिति द्वारा आयोजित ओडिशा नदी सुरक्षा सम्मेलन में राज्य की नदियों की बिगड़ती स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। सरकार से एक समग्र नदी नीति बनाने एवं ओडिशा एवं अन्य प्रांतों की नदियों की स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करने की पुरजोर मांग उठी। पर्यावरणविद् राजेन्द्र सिंह ने कहा, "ओडिशा की कई नदियां मरने के कगार पर हैं।

अगर नदियों का स्वास्थ्य नहीं सुधरा, तो मानव का स्वास्थ्य भी नहीं बचेगा।' बात केवल ओडिशा की ही नहीं है, बल्कि सभी प्रांतों में सिंचाई, औद्योगिक उपयोग और घरेलू जरूरतों के लिए नदियों से अत्यधिक पानी निकाला जा रहा है, जिससे नदियों में पानी की कमी हो गई है। औद्योगिक कचरा, सीवेज और कृषि अपवाह नदियों में प्रवाहित हो रहा है, जिससे पानी प्रदूषित हो रहा है।

जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा के तरीकों में बदलाव आया है, जिससे कुछ क्षेत्रों में सूखे की स्थिति बढ़ गई है और नदियों में पानी का प्रवाह कम हो गया है। नदियों से रेत का अवैध खनन भी नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है और नदियों के बहाव को बदल रहा है। जंगलों की कटाई से मिट्टी का कटाव बढ़ रहा है, जिससे नदियों में गाद जमा हो रही है और उनकी गहराई कम हो रही है।

भारत नदियों का एक अनोखा देश है जहां नदियों को पूजनीय माना जाता है। गंगा, यमुना, महानदी, गोदावरी, नर्मदा, सिंधु (सिंधु), और कावेरी जैसी नदियों को देवी-देवताओं के रूप में पूजा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में बनाया गया जल शक्ति मंत्रालय, नदी घाटियों में आर्द्रभूमि के पुनरुद्धार और संरक्षण और नदी प्रदूषण के खतरनाक श्तर से निपटने पर ध्यान केंद्रित करता है।

देश के समक्ष वाटर विजन 2047 प्रश्तुत किया गया है यानी आजादी के सौ वर्ष पूरे होने तक देश को प्रत्येक वह कार्य करना है, जो देश को पानी के मामलों में सबल बना सके। इसमें हमारी नदियां भी शामिल हैं। हमें अपनी नदियों को 2047 तक निर्मल व अविरल बनाने के संकल्पित लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ना होगा। भारत की नदियों की दिन-ब-दिन बिगड़ती हालत एवं बढ़ते प्रदूषण पर पिछले चार दशकों से लगभग हर सरकार कोरी राजनीति कर रही है, प्रदूषणमुक्त नदियों का कोई ईमानदार प्रयास होता हुआ दिखाई नहीं दिया है।

नदियां हमारे जीवन की जीवन रेखा है, गति है, ताकत है। ये पानी, बिजली, परिवहन, मछली और मनोरंजन के लिए स्रोत हैं। नदियां पर्यावरण के लिए भी बहुत फ़ायदेमंद हैं। नदियों के किनारे बसे शहरों की वजह से ये आर्थिक रूप से भी अहम हैं, इनसे ताज़ा पीने का पानी मिलता है, बिजली बनती है, खेती के लिए ज़रूरी उपजाऊ मिट्टी मिलती है।

नदियों से जल परिवहन होता है। नदियां मरेंगी तो समाज मर जाएगा। नदियों पर खतरे के तीन बड़े कारण हैं और इन्हें पुनर्जीवन के लिए सरकारी एवं सामाजिक श्तर पर गंभीरता से प्रयास करने की जरूरत है। देश में जनसंख्या का दबाव बढ़ने के साथ ही जमीनों की कीमतें बढ़ीं, इसके साथ ही नदी किनारे भूमि पर अतिक्रमण, सिंचाई के लिए भूजल शोषण और नगरों के गंदों नालों से बढ़ता प्रदूषण नदियों के लिए गंभीर खतरा बन गए और छोटी बड़ी तमाम नदियां सूख रही है।

कई नदियां बेमौत मर गईं। केंद्र व प्रदेश की सरकार को सबसे पहले नदियों की जमीन का सीमांकन व चिह्नांकन कराने के साथ ही राजस्व नक्शे में नोटिफिकेशन करना चाहिए। तभी कुछ सुधार की संभावना है।

नदियां मानव अशितत्व का मूलभूत आधार है और देश एवं दुनिया की धमनियां हैं, इन धमनियों में यदि प्रदूषित जल पहुंचेगा तो शरीर बीमार होगा, लिहाजा हमें नदी रूपी इन धमनियों में शुद्ध जल के बहाव को सुनिश्चित करना होगा। नदियों को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किये जाने की जरूरत है।

देश में नदी जल एवं नदियों के लिए कानून बने हुए है, आवश्यक हो गया है कि उस पर पुनर्विचार कर देश के व्यापक हित में विवेक से निर्णय लिया जाना चाहिए। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। नदियों को विवाद बना दिया है, आवश्यकता है तुच्छ स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक मानवीय हित के परिप्रेक्ष्य में देखा जाये।

यह किसी से छिपा नहीं है कि हमारे देश में गर्मी और लू के दिन जहां बढ़ रहे हैं, वहीं बरसात के दिन घटते जा रहे हैं। अब जलवायु परिवर्तन की मार देश के दूरस्थ अंचल तक दिख रही है। ऐसे में मानसूनी वर्षा के जल को यदि सलीके से नहीं सहेजा गया तो देश की सामाजिक-आर्थिक-प्राकृतिक स्थिति पर जल-संकट का बड़ा घातक प्रभाव होगा।

नदियों के लिए ताजा पानी उपलब्ध कराने, जैव विविधता को बढ़ावा देने से लेकर जलवायु को नियंत्रित करने और सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने तक स्वस्थ, निर्मल एवं पवित्र मुक्त बहने वाली नदियां को संरक्षित करना जरूरी है। तालाब संरक्षण की बात तो सभी करते हैं, लेकिन आज जरूरी है कि छोटी नदियों की भी सुध ली जाए।

आज गंदे पानी को नदी जल से अलग रखने के विषय पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। इस गंदे पानी को उपचारित करके उसे कृषि कार्यों व उद्योगों में उपयोग में लाया जा सकता है। हमारी जिन नदियों ने नालों का रूप धारण कर लिया है, उन्हें पुनः नदी बनाने की जरूरत है, नदियों के प्रति मित्रवत व्यवहार रखना तथा उनकी चिंता करना जरूरी है। हम नदियों की रक्षा में अग्रणी समुदायों और नागरिक समाज के आंदोलनों को मजबूत करना होगा। मजबूत डेटा और साक्ष्य उत्पन्न करने के लिए खोजी अनुसंधान को बल देना होगा।

विनाशकारी परियोजनाओं का पर्दाफाश करने और उनका विरोध करने के अभियानों को स्वतंत्र और निडर बनाये। अगर इस ग्रह पर कोई जादू है तो वह पानी में है। यह हमें अपनी अर्थव्यवस्था के एक हिस्से के रूप में व्यापार और वाणिज्य के लिए सश्ता और कुशल अंतर्देशीय परिवहन भी प्रदान करता है। यह पृथ्वी पर सबसे विविध और लुप्तप्राय वन्यजीवों में से कुछ का घर भी है।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

आपातकाल में कांग्रेस का तानाशाही चेहरा

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

पंडित जवाहर लाल नेहरु अंग्रेजों के जाने के बाद देश के पहले प्रधानमंत्री बने थे। यह पद उन्हें बहुत ही समझौतों के बाद मिला था। पहला समझौता तो लार्ड माऊंटबेटन की शर्तों को स्वीकार करना था। लार्ड माऊंटबेटन उन दिनों दिल्ली में ब्रिटेन के प्रतिनिधि थे। उनके एजेंडे में हिंदुश्तान को तोडऩा था और उसके लिए कांग्रेस को सहमत करना था। नेहरु के नेतृत्व में कांग्रेस ने जून 1947 में पाकिश्तान बनाने की मांग बाकायदा प्रश्ताव पारित करके स्वीकार कर ली। लेकिन उसके बाद भी नेहरु के प्रधानमंत्री बनने का राश्ता साफ नहीं हुआ था।

कांग्रेस की विभिन्न प्रदेश समितियों को प्रधानमंत्री का निर्णय करना था। निर्णय गुजरात के सरदार पटेल के पक्ष में चला गया। तब नेहरु ने महात्मा गांधी को अपनी सहायता के लिए मैदान में उतारा। पंडित नेहरु, महात्मा गान्धी की न जाने क्यों कमजोरी बने हुए थे।

महात्मा गान्धी ने इसके लिए जयप्रकाश नारायण की सहायता ली। उन्होंने जयप्रकाश नारायण को अपना सन्देशवाहक बना कर सरदार पटेल के पास यह सन्देश देकर भेजा कि वे स्वयं ही प्रधानमंत्री बनने की दौड़ से बाहर हो जाएं। पटेल गान्धी के निष्ठावान शिष्य थे। वे पीछे हटे तो नेहरु प्रधानमंत्री बने। उसके बाद उन्होंने कुछ साल बाद ही अपनी बेटी इन्दिरा गान्धी को ही कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष बना कर सारी सत्ता घर में ही सीमित कर ली।

इसने मनोवैज्ञानिक रूप से कांग्रेस के लोगों में नेहरु परिवार के प्रति मानसिक गुलामी का भाव पैदा किया और पार्टी आज तक उसी का शिकार है। यही कारण है कि नेहरु की मौत के बाद (यदि लाल बहादुर शास्त्री के लघु काल को निकाल दिया जाए), उनकी बेटी इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री बन गईं। 1975 तक आते-आते इन्दिरा गान्धी को प्रधानमंत्री बने हुए लगभग दस साल हो गए थे।

लेकिन इसी बीच इन्दिरा गान्धी के परिवार में उनके बेटे संजय गान्धी भी भारतीय राजनीति में धूमकेतु की तरह प्रकट होने लगे थे। भ्रष्टाचार को कांग्रेस ने शायद अपने नीति पत्र में दाखिल कर लिया था। देश में एक नई बेचैनी सर्वत्र देखी जा रही थी। लेकिन विश्वसनीय नेतृत्व नहीं मिल रहा था। इसे संयोग ही कहना चाहिए कि नेहरु को प्रधानमंत्री बनाने में मुख्य भूमिका निभाने वाले जय प्रकाश नारायण जीवित थे और पटना में गुमनाम जिंदगी जी रहे थे।

इतिहास का एक चक्र पूरा हो गया था। इतिहास के इसी मोड़ पर शायद जय प्रकाश नारायण ने प्रायश्चित करने का निर्णय कर लिया था। नेहरु को प्रधानमंत्री बनाने में अपनी भूमिका का प्रायश्चित करने का निर्णय, सरदार पटेल को प्रधानमंत्री न बनने देने के षड्यन्त्र में अपनी भूमिका का प्रायश्चित करने का निर्णय। वे देश में इंदिरा की ओर से थोपी गई तानाशाही के खिलाफ चल रहे आन्दोलन का नेतृत्व करने के लिए अपने निवास से बाहर निकल आए।

तब धर्मवीर भारती ने लिखा था, 'एक बूढ़ा सच बोलता हुआ सडक़ों पर निकल आया है।' इस बूढ़े के निकल आने से मानो पूरे देश में एक चिंगारी फैल गई हो। इस बूढ़े के पीछे सारा देश निकल पड़ा। अंग्रेजों के चले जाने के बाद यह तानाशाही के खिलाफ पहली लड़ाई थी। इसकी बहुत जरूरत थी। यदि अभी से तानाशाही की जड़ों को नष्ट नहीं किया जाता तो ये जड़ें सहस्राबदियों पुराने भारतीय लोकतन्त्र के रस को सोख सकती थीं। इन्हीं दिनों एक ऐसी घटना हुई जिसने इंदिरा गान्धी को अपने असली रूप में प्रकट होने के लिए विवश कर दिया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इंदिरा गान्धी की संसद सदस्यता को ही समाप्त कर दिया।

कोर्ट का कहना था कि उन्होंने चुनाव जीतने के लिए भ्रष्ट साधनों का सहारा लिया था। अब इंदिरा गान्धी के पास प्रधानमंत्री पद से इश्तीफा देने के अतिरिक्त कोई राश्ता नहीं था। लेकिन उसने इस राश्ते पर चलने की बजाय तानाशाही का राश्ता चुना। अब इंदिरा गान्धी और उनका बेटा संजय गान्धी अपने असली रूप में प्रकट हुए। इंदिरा गान्धी ने देश में आपात स्थिति लागू कर दी। संविधान को स्थगित कर दिया। सभी विपक्षी नेताओं को बन्दी बना लिया गया।

जय प्रकाश नारायण को तो किसी अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। यह भी चर्चा थी कि उन्हें धीमा जहर दिया जा रहा था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को प्रतिबन्धित कर दिया गया। मीडिया के लिए सेन्सरशिप लागू कर दी। अघोषित रूप से संजय गान्धी को ही देश की सत्ता दे दी गई। वे अपनी सनक के हिसाब से मुख्यमंत्रियों को हटाने-बनाने में लगे। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री को अपमानजनक तरीके से हटाया गया। जेलों में किस प्रकार के अत्याचार हुए, यह कहने की जरूरत नहीं है।

अलबत्ता उच्चतम न्यायालय ने निर्णय दे ही दिया था कि आपात स्थिति में संविधान में दिया गया राईट टू लाइफ, यानी जिंदा रहने का अधिकार भी स्थगित हो गया है, इसलिए सरकार के आगे जो थोड़ी बहुत रुकावट थी, वह सुप्रीम कोर्ट ने दूर कर दी थी। हरियाणा में बसों में सफर करना संकटमय हो गया था क्योंकि पुलिस कहीं भी बस को रोककर अस्पताल ले जाती थी और सवारियों की जबरदश्ती नसबंदी की जाती थी। उन दिनों मुख्यमंत्री बंसीलाल थे और वे संजय गान्धी के खासमखास लोगों में गिने जाते थे।

लेकिन सारे विपक्ष को जेलों में ठूंस दिए जाने और सरकारी आतंक के नग्न प्रदर्शन के बाद भी देश के लोग चुप नहीं बैठे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने आपात स्थिति को हटाने की मांग को लेकर देशव्यापी आन्दोलन छेड़ दिया। स्वयंसेवकों ने सत्याग्रह करते हुए जेलें भर दीं। उनका मनोबल तोडऩे के लिए बहुत यातनाएं दी गईं। हिमाचल प्रदेश के प्यारे लाल बेरी, चंडीगढ़ के श्रीचन्द गोयल और पंजाब के मित्रसेन को अमानवीय यातनाएं दी गईं।

जार्ज फर्नांडीज पर तो बाकायदा लाल किले में मुकद्मा चलाया गया और उनको पागल करने की हद तक मारा पीटा गया। लेकिन लोगों का मनोबल नहीं टूटा। जैसा कि दुनिया भर के तानाशाहों के साथ होता ही है, इंदिरा गान्धी के इर्द गिर्द भी चापलूस कांग्रेसियों का एक गिरोह बन गया था। वह संजय गान्धी को कन्धों पर बिठा कर दरबार में निरन्तर नृत्य करता रहता था। इंदिरा गान्धी को लगता था कि परिवार की परम्परा के अनुसार संजय को ही आगे भारत का 'बादशाह' बनना है।

इसलिए उसको भारतीय जनमानस में उतार दिया जाए तो अच्छा ही है। सेंसर होने के कारण तानाशाहों का जनमानस से संबंध टूटा रहता है, लेकिन उनको यह संबंध जोडऩे की जरूरत भी नहीं होती। लेकिन भारत में नेहरु-गान्धी तानाशाही के आगे एक समस्या तो थी ही। वह था डा. भीमराव रामजी अंबेडकर द्वारा बनाया हुआ संविधान। उस संविधान में लिखा हुआ था कि हर पांच साल बाद चुनाव करवाने पड़ेंगे। आपात स्थिति में इंदिरा गान्धी ने यह प्रावधान तो कर दिया था कि चुनाव पांच साल के बाद नहीं, बल्कि छह साल बाद करवाए जाएंगे, लेकिन चुनाव करवाए ही नहीं जाएंगे, ऐसा करना तो संभव नहीं था। और छह साल का वक्त समाप्त होने को था।

चापलूस गिरोह ने बार-बार गीत गाकर इंदिरा गान्धी को विश्वास दिला दिया था कि देश संजय के कारनामों से भाव विभोर है। इंदिरा गान्धी ने लोकसभा के लिए चुनावों की घोषणा कर दी और सभी विपक्षी दलों ने विलय कर एक नई पार्टी, जनता पार्टी का गठन कर लिया। चुनाव के परिणाम चौंकाने वाले थे। इंदिरा गान्धी और संजय गान्धी दोनों हार गए।

पंजाब से लेकर बंगाल तक कांग्रेस एक सीट भी जीत नहीं सकी। उसके बाद की कथा बाद में, लेकिन भारत ने कांग्रेस की तानाशाही को अपना उत्तर दे दिया था। इस तरह विशेषकर आपातकाल की बात करें, तो उस दौरान कांग्रेस का तानाशाही रूप देखने को मिला।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार है)

हिन्दी का किसी क्षेत्रीय भाषा से कोई संघर्ष नहीं है...

सुनील कुमार महला

भारत विश्व का एक ऐसा देश है, जहां भाषाओं की विविधता पाई जाती है। यहां अलग-अलग समूहों द्वारा अनेक भाषाएं बोली,पढ़ी,लिखी व समझी जाती हैं, लेकिन भारत के संविधान में हिंदी को भारत की राजभाषा (यानी कि आफिशियल लैंग्वेज) का दर्जा प्राप्त है।

गौरतलब है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 343 (1) के अनुसार, देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी को संघ की आधिकारिक भाषा का दर्जा प्राप्त है। यह(हिंदी)भारत की मातृभाषा भी है तो भारत की प्रथम राजभाषा भी। गौरतलब है कि भारत की द्वितीय राजभाषा अंग्रेजी है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि वर्ष 2011 की भाषायी जनगणना के अनुसारः भारत में 121 मातृभाषाएँ हैं। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार 55% आबादी हिंदी को या तो मातृभाषा के रूप में या अपनी दूसरी भाषा के रूप में जानती है तथा आज दुनिया में लगभग 60-65 करोड़ लोग हिंदी बोलते हैं, जिससे यह विश्व में तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन चुकी है।

सच तो यह है कि अंग्रेजी और मंदारिन(मंडारिन) चीनी के बाद हिंदी का स्थान प्रमुख है। हिंदी न केवल भारत में, बल्कि आज विश्व के कई अन्य देशों जैसे कि नेपाल, मॉरिशस, फिजी, सूरीनाम, गुयाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, और पाकिश्तान में भी बोली, पढ़ी, लिखी और समझी जाती है और विश्व के बहुत से देशों ने आज हिंदी के महत्व,इसकी वैज्ञानिकता,इसकी दमदार शब्दावली को सहज ही स्वीकार किया है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 1971 से वर्ष 2011 के बीच हिंदी बोलने वालों की संख्या 2.6 गुना बढ़कर 20.2 करोड़ से 52.8 करोड़ हो गई। वर्ष 2011 के बाद से अब तक इस संख्या में बहुत अधिक इजाफा हुआ है और यह हम सभी को गौरवान्वित महसूस कराता है।

कहना ग़लत नहीं होगा कि आज हिंदी अंतरराष्ट्रीय श्तर पर अपना प्रभाव छोड़ रही है और निरंतर आगे बढ़ रही है। हाल ही में यानी कि 26 जून 2025 को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में हमारे देश के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केंद्र सरकार के राजभाषा विभाग की स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने यह बात कही कि 'हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की विरोधी नहीं है, बल्कि सभी भारतीय भाषाओं की मित्र है।'

बहरहाल, कहना चाहूंगा कि आज हमारे देश में भाषा को लेकर तरह-तरह की राजनीति की जाती है, इसे कदापि ठीक व जायज़ नहीं ठहराया जा सकता है। इससे बड़ी विडंबना की व दुःखद बात भला और क्या हो सकती है कि आज भाषाओं को लेकर कहीं भी कोई न कोई जुबानी जंग छिड़ जाती है। हमें यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि लोगों को आपस में जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भाषा को ही माना जाता है और हिंदी हमारे देश की वह भाषा है, जो सदियों सदियों से हमारे देश भारत को एकता व अखंडता के सूत्र में पिरोए हुए हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि हिंदी किसी भी भाषा की विरोधी कतई नहीं है। हिंदी वह भाषा है, जिसमें हमारे देश की सनातन संस्कृति की झलक मिलती है, तथा यह हमारे सामाजिक ताने-बाने को मजबूत व सुदृढ़ रखे हुए है, स्वतंत्रता के पूर्व से लेकर, हमारे देश की स्वतंत्रता प्राप्ति और इसके बाद भी निरंतर अब तक हिंदी अपनी संस्कृतनिष्ठता,व्यवस्थितता और अपने लचीलेपन से इसका प्रयोग ज्ञान-विज्ञान से लेकर साहित्य, और संचार के विभिन्न माध्यमों में लगातार बढ़ता ही चला जा रहा है, जो हमें गौरवान्वित करती है। हमें अपनी मां बोली हिंदी पर या यूं कहें कि अपनी मातृभाषा पर गर्व करना चाहिए। हम अंग्रेजी का विरोध नहीं करें, क्यों कि कोई भी भाषा कभी भी अच्छी बुरी नहीं हो सकती है। सभी भाषाओं का अपना-अपना महत्व है।

इसलिए हमें यह चाहिए कि हम सभी भाषाओं या ज्यादा से ज्यादा भाषाओं को सीखने का प्रयास करें, यह हमारे ज्ञान में बढ़ोत्तरी करेगा वहीं व्यवहार में भी ये भाषाएं हमारे कहीं न कहीं अवश्य काम में आयेंगी, लेकिन हमें यह चाहिए कि भारत के निवासी होते हुए हम सबसे ज्यादा तवज्जो अपनी मातृभाषा हिंदी को दें। अपनी मातृभाषा को छोड़कर,उसे तिलांजलि देकर, दूसरी भाषाओं को अपनाकर, या उन्हें सीखकर हम कभी भी आगे नहीं बढ़ सकते, क्यों कि जो बात हम अपनी मातृभाषा में सहजता और सरलता से कह सकते हैं, अभिव्यक्ति दे सकते हैं,वह शायद विश्व की किसी अन्य भाषा में नहीं। हिंदी भाषा भारत की विविध संस्कृतियों को एकजुट करने और सामाजिक एकीकरण की भावना पैदा करने में एक सेतु का काम करती है। महात्मा गांधी जी ने राष्ट्रभाषा के बारे में यह बात कही है कि 'राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है।' हिंदी हमारे देश और भाषा की प्रभावशाली विरासत है।आर्यों की सबसे प्राचीन भाषा हिन्दी ही है और इसमें तद्भव शब्द सभी भाषाओं से अधिक है। आज भाषा के नाम पर राजनीति होती है, यह बहुत ही ग़लत है। जापानियों ने जिस ढंग से विदेशी भाषाएँ सीखकर अपनी मातृभाषा को उन्नति के शिखर पर पहुँचाया है उसी प्रकार हमें भी मातृभाषा (हिंदी) का भक्त होना चाहिए। हाल फिलहाल, पाठकों को बताता चलूं कि राजभाषा विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान हमारे गृहमंत्री जी ने भी यह बात कही है कि 'किसी भी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए, लेकिन हमें अपनी मातृभाषा पर गर्व भी करना चाहिए।' वाश्तव में हमें यह चाहिए कि हम मातृभाषा में सोचने, बोलने के साथ-साथ उसे अभिव्यक्त करने की भावना को भी प्रोत्साहित करें।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में यह कहा है कि '...पिछले कुछ दशकों में भाषा का इश्तेमाल भारत को बांटने के साधन के रूप में किया गया। वे इसे तोड़ नहीं पाए, लेकिन प्रयास किए गए। हम सुनिश्चित करेंगे कि हमारी भाषाएं भारत को एकजुट करने का सशक्त माध्यम बनें।' महाराष्ट्र और कर्नाटक समेत कई राज्यों में राजभाषा को लेकर सवाल उठाए गए, तमिलनाडु ने तो जैसे हिंदी विरोध में राजनीतिक मोर्चा खोल रखा है। वाश्तव में यह बहुत दुखद है, ऐसा नहीं होना चाहिए। आज भारत दुनिया का एक मात्र ऐसा देश है, जहां राजभाषा के लिए एक अलग विभाग है तथा इसके कार्यान्वयन के लिए अधिकारी व हिंदी अनुवादक मौजूद हैं। दुनिया में ऐसा उदाहरण कहीं अन्यत्र देखने को नहीं मिलता। हम हमारे ही देश में भाषा की लड़ाई लड़ रहे हैं।

लेकिन हमें यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि आज संचार की भाषा हिन्दी है, बाजार और सिनेमा से लेकर आज कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं बचा है, जहां हिंदी का प्रयोग नहीं किया जा रहा है। हमें यह चाहिए कि हम किसी विदेशी भाषा का विरोध कतई नहीं करें। भारत के वासी होते हुए हमारा यह परम कर्तव्य बनता है कि हम आग्रह अपनी भाषा(हिंदी) के गौरव का करें।

जैसा कि केंद्रीय गृह मंत्री जी ने कहा है कि 'आग्रह अपनी भाषा में सोचने का होना चाहिए। हमें गुलामी की मानसिकता से मुक्त होना चाहिए।' सच तो यह है कि जब तक हम अपनी भाषा पर गर्व नहीं करेंगे, अपनी भाषा में अपनी बात नहीं कहेंगे, तब तक हम गुलामी की मानसिकता से मुक्त नहीं हो सकते हैं।

दिल्ली में राजभाषा स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान हाल ही में गृहमंत्री जी ने सभी राज्य सरकारों से आग्रह किया है कि वे स्थानीय भाषाओं में चिकित्सा और इंजीनियरिंग जैसी उच्च शिक्षा प्रदान करने की पहल करें। उन्होंने आश्वासन दिया है कि केंद्र सरकार इस दिशा में राज्यों को हरसंभव सहयोग देगी।' पाठकों को बताता चलूं कि गृह मंत्री जी ने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रशासनिक कार्यों में भारतीय भाषाओं का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए। आज यह देखने को मिलता है कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के बीच प्रतिस्पर्धा है। प्रतिस्पर्धा अपने स्थान पर है, लेकिन हमें हिंदी के योगदान को हमेशा अपने जेहन में रखना चाहिए। हिंदी किसी भी भाषा की विरोधी नहीं है अपितु यह सहयोगी है। हिंदी सबको साथ लेकर चलती है। वाश्तव में भाषाएं मिलकर देश के सांस्कृतिक आत्मगौरव को ऊंचाई तक ले जा सकती हैं।

आज जरूरत इस बात की है कि हम मानसिक गुलामी की भावना से मुक्ति पाने पर जोर दें। हमें यह याद रखना चाहिए कि जब तक कोई व्यक्ति अपनी भाषा पर गर्व महसूस नहीं करता और खुद को उसी भाषा में अभिव्यक्त नहीं करता, तब तक वह पूरी तरह आजाद नहीं हो सकता। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 351 हिंदी भाषा के विकास और प्रसार के लिए केंद्र सरकार को निर्देश देता है। इसका उद्देश्य हिंदी को भारत की 'सामासिक संस्कृति' के तत्वों को व्यक्त करने का एक माध्यम बनाना है।

गौरतलब है कि अनुच्छेद 351 में, केंद्र सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि हिंदी भाषा का विकास इस तरह से हो कि वह भारत की समग्र संस्कृति को व्यक्त करने का एक माध्यम बन सके। इसके लिए, हिंदी को अन्य भारतीय भाषाओं और संस्कृत से शब्द भंडार और अभिव्यक्तियों को ग्रहण करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि यह अधिक समृद्ध और व्यापक बन सके। संक्षेप में कहें तो अनुच्छेद 351 हिंदी भाषा के विकास और प्रसार के लिए एक मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में कार्य करता है।

वाश्तव में, यह सुनिश्चित करता है कि यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रतिबिंबित करे और सभी भारतीयों के लिए एक सामान्य भाषा बन सके। अंत में यही कहूंगा कि हिन्दी संस्कृत की बेटियों में सबसे अच्छी और शिरोमणि है। म

हात्मा गांधी ने यह बात कही थी कि 'हिंदुश्तान के लिए देवनागरी लिपि का ही व्यवहार होना चाहिए, रोमन लिपि का व्यवहार यहाँ हो ही नहीं सकता।' वाश्तव में राष्ट्रीय व्यवहार में हिन्दी को काम में लाना देश की शीघ्र उन्नति के लिए आवश्यक है।अनंत गोपाल शेवड़े ने कहा है कि 'राष्ट्रभाषा हिन्दी का किसी क्षेत्रीय भाषा से कोई संघर्ष नहीं है।' और यह बात हम सबको अपने जेहन में रखनी चाहिए।के.सी. सारंगमठ कहते हैं कि 'दक्षिण की हिन्दी विरोधी नीति वाश्तव में दक्षिण की नहीं, बल्कि कुछ अंग्रेजी भक्तों की नीति है।'सरलता, बोधगम्यता और शैली की दृष्टि से विश्व की भाषाओं में हिन्दी महानतम स्थान रखती है।

(लेखक फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार है)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

सीएम योगी बोले- एमएसएमई आत्मनिर्भर भारत का आधार, लांच की एप

लखनऊ , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर लखनऊ के लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए ÷यूथ अड्डा÷ और

÷सीएम युवा÷ एप का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कई युवाओं को सम्मानित भी किया। इसके पहले सीएम योगी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि एमएसएमई इकाईयां 'आत्मनिर्भर' भारत का आधार हैं। अपने अथक परिश्रम से प्रदेश को आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर कर रहे सभी उद्यमियों को एमएसएमई दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार उद्यम एवं उद्यमिता को प्रोत्साहित करने हेतु सतत क्रियाशील है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पहुंचे काशी, बाबतपुर एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

वाराणसी , एजेंसी। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे शुक्रवार को वाराणसी पहुंचे। उनके आगमन पर लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ शिवसेना शिंदे गुट

के कार्यकर्ताओं ने भी उनका भव्य स्वागत किया। स्वागत करने वालों में जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, भाजपा नेता अमित, घनश्याम सोनी, अमन कुमार, अजय चौबे सहित कई कार्यकर्ता शामिल रहे। भाजपा किसान मोर्चा काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रोटोकॉल प्रभारी शैलेश पांडेय ने भी अपने सहयोगियों संग अगवानी की।

काशी आगमन पर एकनाथ शिंदे के स्वागत को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल रहा। एयरपोर्ट परिसर जय श्रीराम और भारत माता की जय के नारों से गूंज उठा।

कांवड़ मार्गों पर एंबुलेंस की होगी पर्याप्त व्यवस्था... त्योहारों को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में सावन में शुरू होने वाली कांवड़ यात्रा और अन्य त्योहारों को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। विभाग संवेदनशील कांवड़ मार्गों पर एंबुलेंस की पर्याप्त व्यवस्था रखेगा। स्वास्थ्य उपकेंद्रों व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में उपचार की व्यवस्था के साथ ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में अलग से इमरजेंसी वार्ड बनेंगे।

चिकित्सा, स्वास्थ्य परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने एसजीपीजीआई, केजीएमयू, लोहिया संस्थान, सैफई के आयुर्विज्ञान विश्विद्यालय, सभी मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्य, सीएमओ-सीएमएस को इस संबंध में निर्देश दिया है। उन्होंने सभी को अलर्ट करते हुए तीन दिन में पर्याप्त व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। उन्होंने सभी स्वास्थ्य इकाइयों में पर्याप्त दवाओं का इंतजाम, इमरजेंसी सेवाएं दुरुस्त रखने, स्वास्थ्य कर्मियों की पर्याप्त संख्या में तैनाती, उपकरणों को क्रियाशील रखने व जांच आदि के समुचित इंतजाम करने को कहा है।

आलू का ऐसा बीज...साल में दो बार किसान कर सकेंगे फसल

उच्च तापमान का भी नहीं पड़ेगा कोई असर

आगरा, एजेंसी। आलू सिर्फ कम तापमान की फसल नहीं रहेगा। अंतरराष्ट्रीय आलू अनुसंधान केंद्र, सींगना में अधिक तापमान में उपजने वाला बीज तैयार होगा। जिससे खरीफ में भी किसान आलू की फसल ले सकेंगे। मंडल में अभी सिर्फ रबी सीजन में आलू पैदावार हो रही है।

अंतरराष्ट्रीय आलू अनुसंधान केंद्र, पेरू की मदद से सींगना में शुरू होने जा रही शोध शाखा के लिए केंद्रीय कैबिनेट ने 111.5 करोड़ रुपये मंजूर किया है। 138 हेक्टेयर में फैले इस आलू फार्म में 10 हेक्टेयर भूमि में आलू पर नए-नए शोध होंगे। उप निदेशक उद्यान डॉ. धर्मपाल सिंह ने बताया कि आगरा के मौसम के हिसाब से आलू बीज तैयार किया जाएगा। कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और तमिलनाडु में कई जगह खरीफ में आलू फसल हो रही है। साथ ही पोषण तत्वों से युक्त आलू की पैदावार पर सबसे ज्यादा जोर है। आलू की ऐसी वैरायटी आगरा क्षेत्र में पैदा होंगी जिनमें जिंक, आयरन, मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व होंगे।

उ.प्र. लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष राकेश गर्ग ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी दोनों ही आलू किसानों के प्रति संवेदनशील हैं। शोध केंद्र शुरू होने से खाद्य प्रसंस्करण वाली आलू की किस्में पैदा होंगी। निर्यात योग्य वैरायटी मिलेगी। आलू आधारित

उद्यमों को प्रोत्साहन मिलेगा। आलू उत्पादन और गुणवत्ता में आगरा दक्षिण एशिया में पहचाना जाएगा।

अधिक तापमान पर किया जा सके स्टोर- आगरा कोल्ड स्टोर एसोसिएशन के अध्यक्ष भुवेश अग्रवाल ने बताया कि जिले में 325 कोल्ड स्टोर हैं। 6 करोड़ पैकेट आलू भंडारण क्षमता है। एक पैकेट में 50 किलो आलू होता है। अभी 3 डिग्री पर आलू रखना पड़ता है। कोल्ड स्टोर में तापमान अधिक होने से आलू मीठा होने लगता है। ऐसे आलू की वैरायटी पैदा की जाए जिसे 10 से 12 डिग्री तापमान पर रखा जा सके।

केंद्र तक पहुंचा फूड एक्सपो का संदेश

लघु उद्योग भारती के प्रदेश सचिव मनीष अग्रवाल का कहना है कि आगरा के खाद्य उद्यम और उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए तीन दिन का फूड एक्सपो हुआ। जिसका संदेश केंद्र सरकार तक गया। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण एवं उद्योग मंत्री चिराग पासवान से हम मिलकर आए थे। हमारी एक ही मांग थी कि खाद्य प्रसंस्करण को प्रोत्साहन मिलना चाहिए।

बागवानी से निकालकर कृषि क्षेत्र में शामिल हो आलू

समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन ने कहा कि आगरा में अंतरराष्ट्रीय आलू अनुसंधान केंद्र को हरी झंडी मिल गई। लेकिन, 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगरा कोठी मीना बाजार मैदान पर गुजरात के बनासकाठा की तर्ज पर आलू प्रसंस्करण केंद्र खोलने की जो घोषणा की गई थी, वह अधूरी है। उन्होंने कहा आलू को बागवानी से निकालकर कृषि क्षेत्र में शामिल किया जाए। उत्तर प्रदेश सरकार आलू के लिए नीति बनाए। इस तरह की तकनीक विकसित की जाए जिससे यह पता चल सके कि देश में आलू कितनी जरूरत है। कितना आलू निर्यात होगा। कितना आलू प्रसंस्करण किया जाए। चीन व अन्य देश इसी तरह से उत्पादन करते हैं। इससे आलू किसानों को फायदा होगा। आलू सड़ेगा भी नहीं।

राजभर बोले- सपा में मुसलमानों की स्थिति गुलामों जैसी... किसी मुसलमान को सीएम का उम्मीदवार बनाएं अखिलेश

लखनऊ , एजेंसी। यूपी सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि सपा में मुसलमानों की स्थिति गुलामों जैसी है। वो अपनी आवाज नहीं उठा सकते हैं। अगर 2027 में सपा की सरकार बनती है तो अखिलेश यादव को किसी मुसलमान नेता के बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाहिए। उन्हें कभी खुद भी कैरियर पर बैठना चाहिए और किसी मुसलमान को मुख्यमंत्री बनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव आजमगढ़ जेल चले जाएंगे रमाकांत यादव से मिलने के लिए। देवरिया चले जाएंगे लेकिन संभल और मुरादाबाद में किसी मुसलमान के साथ घटना होती हो तो उनके पास समय नहीं है। उन्होंने कहा कि यूपी में सात परसेंट यादव हैं और 20 प्रतिशत मुसलमान... और 20 परसेंट वालों को गुलाम बना रखा है। हमारा संविधान कहता है कि सबको बराबरी का अधिकार है। उन्हें भी पावर मिलना चाहिए।

वृद्ध के कत्ल में जीआरपी की कहानी, कोर्ट ने नहीं मानी...बेटा हुआ बरी

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर दो वर्ष पहले हुई एटा के बुजुर्ग महेंद्र प्रताप की हत्या में जीआरपी ने बेटे को ही कातिल करार देकर जेल भेजा था। पिता के कत्ल के इस कलंक को लेकर बेटा भी दो साल तक जेल में रहा। मगर चार्जशीट में जीआरपी ने जो कहानी गढ़ी, वह अदालत में साबित नहीं हो सकी। मुकदमे के ट्रायल में कमजोर कहानी के आधार पर बेटे को बरी कर दिया गया। सबसे खास बात कि आरोपी खुद का वकील तक न कर सका। उसे विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से वकील मिला, तब उसका मुकदमा लड़ा गया।

ये घटना 21 अप्रैल 2023 की रात देर अलीगढ़ स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 7 की निर्माणाधीन बिल्डिंग के शौचालय में हुई। मूल रूप से एटा अलीगंज के पुराहर के 60 वर्षीय महेंद्र प्रताप यादव की चाकू से गोदकर हत्या की गई। यह सूचना खुद महेंद्र के बेटे ने जीआरपी थाने में दी। जब पुलिस पहुंची तो महेंद्र के पेट में चाकू

घुसा था। चाकू की टूटी बट घटनास्थल पर पड़ी थी। पास में शराब की बोतल, खाना आदि भी रखा मिला। रात में खबर पर एटा से आई मृतक की पत्नी मिथलेश उर्फ गुड्डी देवी ने अज्ञात के खिलाफ जीआरपी में मुकदमा दर्ज कराया।

आरोपी अनुराग ने विधिक प्राधिकरण से अधिवक्ता मांगा था। उसी क्रम में यह मुकदमा लड़ा गया। जीआरपी की कहानी अदालत में साबित नहीं हो पाई। आरोपी बरी किया गया।-जगदीश सारस्वत, चीफ डिफेंस काउंसिल, विधिक सेवा प्राधिकरण

अदालत ने खड़े किए ये सवाल

अदालत ने सभी तरह के फिंगर प्रिंट मिलान न होने पर सवाल किया। दूसरा कोई चश्मदीद साक्षी न होने पर सवाल किया। सिर्फ परिस्थितियों के आधार पर आरोप लगाने को हत्या का आधार नहीं माना। साथ में बेटे द्वारा पिता की हत्या का कोई ठोस कारण भी साबित होना नहीं माना। इस आधार पर सत्र न्यायाधीश अनुपम कुमार की अदालत से उसे बरी कर दिया।

जीआरपी ने चार्जशीट में यह बताई थी हत्या की वजह

घटना का जीआरपी ने खुलासा किया कि मृत महेंद्र का बेटा अनुराग पानीपत में मजदूरी करता था। वहां से वह एक विवाहिता को प्रेम संबंधों में अपने गांव ले आया। महिला डेढ़ माह बाद वापस चली गई। पीछे से अनुराग भी पहुंचा। उसे वापस लाने के प्रयास किए। मगर सफल नहीं हुआ। घटना से चार दिन पहले उसने फोन करके अपने पिता को पानीपत बुलाया। फिर महिला से चलने को कहा। जब वह नहीं आई तो घटना वाली शाम ट्रेन में सवार होकर पिता संग गांव के लिए चला आया।

आते समय प्रेमिका व उसके परिवार को मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर आया। साथ में पानीपत से शराब, चाकू, चूहे मारने वाली दवा आदि लेकर आया। रात में स्टेशन पर पहले पिता को चूहे मारने वाली दवा मिलाकर शराब पिलाई। बाद में पिता के नशे में होने पर चाकू घोंपकर हत्या कर दी। बाद में प्रेमिका परिवार को फंसाने के लिए यह कहानी सुनाई कि वह लोग उनका पीछा करते हुए आए। यहां पिता की हत्या कर चले गए। घटना के समय वह खाना लेने गया था।

कथावाचकों से अभद्रता पर बवाल, पुलिस ने 19 लोगों को गिरफ्तार किया, 13 बाइकें और सपा का झंडा लगी कार सीज

कानपुर, एजेंसी। इटावा जिले में दांदरपुर गांव में गुरुवार शुक्रवार दोपहर बवाल हो गया। अहीर रेजीमेंट समेत अन्य संगठनों के करीब डेढ़ हजार युवकों ने थाने के बाहर प्रदर्शन किया। इसके बाद हाईवे पर जाम लगाया। पुलिस ने करीब 15 मिनट में जाम खुलवाया। इस बीच अलग-अलग रास्तों से होकर निवाड़ीकलां-लुधियानी मार्ग से युवकों की भीड़ ने गांव में घुसने का प्रयास किया। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो भीड़ ने पथराव कर दिया।

इसमें पुलिस की एक कार का शीशा टूट गया। जवाब में पुलिस ने लाठीचार्ज और हवाई फायरिंग करते हुए भीड़ को खदेड़ा। पुलिस ने 19 लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं 13 बाइकें और एक सपा का झंडा लगी कार को भी जब्त किया गया है। महेवा ब्लॉक के गांव दांदरपुर में कथावाचकों के साथ हुई अभद्रता के मामले के बीच बुधवार देर रात बकेवर थाना पुलिस ने कथा आयोजकों की तहरीर पर कथावाचक मुकट मणी और संत सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर की थी।

संगठन के युवाओं की पुलिस से नोकझोंक- गुरुवार को अहीर रेजीमेंट के संयोजक गगन यादव के आह्वान पर करीब डेढ़ हजार युवक दोपहर करीब साढ़े 12 बजे बकेवर कस्बे में प्रवेश कर गए। सूचना पर सीओ अतुल प्रधान, प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र राठी ने पुलिस बल के साथ युवकों को थाने से लगभग सात सौ मीटर पहले ही सड़क पर रोक लिया। युवा आगरा में गगन यादव की गिरफ्तारी से आक्रोशित थे। संगठन के युवाओं की पुलिस से नोकझोंक हुई।

बकेवर ओवरब्रिज के आगे हाईवे पर लगाया जाम- युवकों ने थाने प्रदर्शन करके लौट जाने का आश्वासन दिया। इस पर पुलिस ने उन्हें थाने तक जाने की अनुमति दे दी। थाने पर पहुंचकर करीब 10 मिनट युवकों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारे लगाए और गगन यादव को छोड़ने की मांग की। प्रदर्शनकारी इसके बाद हाईवे पहुंच गए। यहां उन्होंने बकेवर ओवरब्रिज के आगे हाईवे पर जाम लगा दिया। पुलिस ने यहां से किसी तरह भीड़ को हटाकर जाम खुलवाया। इसके बाद युवक गांव जाने वाले रास्ते की ओर निकल पड़े।

लाठीचार्ज के साथ पुलिस ने की हवाई फायरिंग- पुलिस ने उन्हें हाईवे से जाने वाले रास्ते पर ही रोककर खदेड़ दिया। यहां से कई युवकों को हिरासत में लिया। युवकों ने अलग-अलग रास्तों से गांव जाने की मशक्कत की, लेकिन पुलिस ने उन्हें सफल नहीं होने दिया। पुलिस के तमाम प्रयास के बावजूद भीड़ गांव के नजदीक निवाड़ीकलां लुधियानी मार्ग पर पहुंच गई।

अधिकारियों ने दिया सुरक्षा का आश्वासन

इसके बाद युवाओं की भीड़ तितर-बितर हो गई। एसपी देहात श्रीश्चंद, सीओ अतुल प्रधान, सीओ सैफई रामगोपाल शर्मा, लवेदी, भरथना, बकेवर, सैफई, बसरेहर समेत करीब छह थानों के पुलिस बल के साथ खेतों से दौड़ाकर युवकों को गिरफ्तार किया। देर शाम डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ल और एसएसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने थाने में पहुंचकर गांव के हालात जाने। साथ ही गांव में पहुंचकर लोगों से बात की। अधिकारियों ने उन्हें सुरक्षा का आश्वासन दिया।

यादव हो तो ही अंदर जाना

बवाल से पहले गांव के बाहर खड़ी युवकों की भीड़ आने-जाने को यह कहकर रोकती रही कि यदि यादव हो तो ही भीतर जाना। वाहन सवारों से भी उनकी जाति पूछी गई। यादव के अलावा और किसी को जाने की अनुमति नहीं दी जा रही थी। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तो बवाल शुरू हो गया।

कासीं फ्लाईओवर जुलाई से लेगा नया आकार, सुपर-स्ट्रक्चर का काम होगा शुरू

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ के क्वासीं चौराहे पर बन रहा फ्लाईओवर अब तेजी से आकार ले रहा है। पिलर के ऊपरी हिस्सों पर निर्माण कार्य शुरू होने के साथ ही जुलाई से सुपर-स्ट्रक्चर का निर्माण शुरू होने जा रहा है। इसके लिए स्लोब वाले हिस्से में खुदाई का काम भी शुरू होगा, जिसके लिए निर्माण एजेंसी ने सभी सुरक्षा उपाय कर लिए हैं।

यह फ्लाईओवर कुल 630 मीटर लंबा होगा और इसके निर्माण में कुल 12 खंभों (पिलर) पर सब-स्ट्रक्चर का काम किया जा रहा है। इनमें से दो पिलर का काम पहले ही पूरा हो चुका है, जबकि शेष 10 पिलर के सब-स्ट्रक्चर कार्य को गति देने के लिए मजदूरों की संख्या बढ़ाई जा रही है।

परियोजना के डीपीएम मोहित कुमार ने बताया कि सुपर-स्ट्रक्चर के निर्माण के साथ ही, जुलाई में ही साइडों से रिटेनिंग वॉल (आरई वॉल) का काम भी शुरू हो जाएगा। इस फ्लाईओवर की कुल लागत 71 करोड़ रुपये है और इसे दिसंबर 2025 से पहले पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यह फ्लाईओवर क्वासीं चौराहे पर यातायात को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

डीएल का खेल-गाड़ी चलानी आए यह जरूरी नहीं... ड्राइविंग लाइसेंस के लिए जेब में 6000 होना जरूरी है

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ संभागीय परिवहन कार्यालय में ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) बनाने की जो भी प्रक्रिया हो लेकिन दफ्तर के बाहर जमे रहने वाले दलाल बगैर किसी ड्राइविंग टेस्ट के डीएल बनवाने का दावा करते हैं। लाइसेंस बनवाने की फीस भले ही 1350 रुपये है लेकिन यह लोग 6000 रुपये लेकर बिना आरटीओ दफ्तर आए लाइसेंस बनवाने का दावा करते हैं। इनका कहना होता है कि आपको तो बस एक बार फोटो खिंचवाने के लिए आना होगा। चार से पांच दिन में लाइसेंस मिल जाएगा।

दलाल ने कहा लर्निंग है। हमने कहा नहीं। इसके बाद दलाल ने एक हजार रुपये में लर्निंग लाइसेंस बनाने की बात कही। कहा यहां आने की भी जरूरत

नहीं। इसके एक महीने बाद परमानेंट लाइसेंस बनेगा। इसके लिए टेस्ट भी देना होगा। हमने कहा टेस्ट जरूरी है क्या? एजेंट ने कहा अलग से पैसा देंगे तो इससे छुटकारा मिल जाएगा। कुल पांच हजार रुपये लगेंगे टेस्ट भी नहीं देना होगा। केवल फोटो खिंचाने के लिए एक दिन आना होगा।

आरटीओ कार्यालय के बाहर लाइसेंस और अन्य कार्यों में बाहरी व्यक्तियों का दखल गंभीर विषय है। इस तरह की शिकायतें मिली हैं। इनकी गहराई से जांच कराई जाएगी, जो भी इसके लिए जिम्मेदार है, जवाब मांगा जाएगा और ऐसी गतिविधियों पर लगाम लगाई जाएगी। - संजीव रंजन, जिलाधिकारी, अलीगढ़

केस-1-पूजा सिंह से वसूल किए छह हजार रुपये

आरटीओ कार्यालय में लर्निंग लाइसेंस की दर 350 रुपये और स्थायी लाइसेंस की दर 1000 रुपये निर्धारित है। दलाल लर्निंग के लिए 1000 और स्थायी के लिए पांच हजार रुपये वसूल रहे हैं। क्वासीं की रहने वाली पूजा सिंह के साथ यही हुआ। कुछ दिन पहले वह अपना लाइसेंस बनवाने के लिए आरटीओ कार्यालय पहुंचीं। वहां बताया गया कि ऑनलाइन आवेदन कर दें। मौके पर मौजूद एक दलाल ने उन्हें झांसे में ले लिया और छह हजार रुपये वसूल किए।

केस-2-ऑनलाइन आवेदन के बाद भी नहीं बना था लाइसेंस

रामघाट रोड की रहने वाली माधुरी बघेल ने भी लाइसेंस बनवाने के लिए आवेदन किया, लेकिन विभागीय जटिलताओं के चलते प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई। इधर-उधर भटकने के बाद यहां सारसौल पर एक एजेंट से संपर्क किया, जिसके बाद छह हजार रुपये देकर लाइसेंस बनवाया।

अब इस प्रतियोगिता में भिड़ेंगे नीरज और अरशद

भाला फेंक में ओलंपिक चैंपियन ने खुद किया खुलासा

लाहौर, एजेंसी। नीरज दोहा में और फिर ओरलेन जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता में जूलियन वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। वहीं, पेरिस और ओस्ट्रावा में पहला स्थान हासिल किया। हालांकि, इन चारों टूर्नामेंट पाकिस्तान के अरशद नदीम नहीं खेले थे। अब दोनों एक साथ इस टूर्नामेंट में खेलते दिख सकते हैं। भारत के महानतम एथलीट्स में शुमार और भाला फेंक में दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा इन दिनों शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर का आंकड़ा पार करने के बाद पेरिस डायमंड लीग में जीत दर्ज की। साथ ही ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक इवेंट भी अपने नाम किया। हालांकि, पेरिस और ओस्ट्रावा में वह 90 मीटर की दूरी नहीं तय कर सके, लेकिन उनके आत्मविश्वास को जरूर बल मिला होगा। अब वह नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता में खेलते दिखेंगे। हालांकि, इस टूर्नामेंट में भी पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम हिस्सा नहीं लेंगे। अरशद और नीरज के बीच गजब की प्रतिद्वंद्विता है और फैंस इन दोनों के बीच टक्कर का जमकर लुत्फ उठाते हैं। अब नदीम ने खुलासा किया है कि वह अगली बार किसी प्रतियोगिता में खेलते दिख सकते हैं। नीरज दोहा में और फिर ओरलेन जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता में जूलियन वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। वहीं, पेरिस और ओस्ट्रावा में पहला स्थान हासिल किया। हालांकि, इन चारों टूर्नामेंट पाकिस्तान के अरशद नदीम नदारद थे। नदीम ने इस सत्र में ज्यादा प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लिया है वह इसके प्रति काफी चयनात्मक रहे हैं।

बुमराह ने शादी से पहले संजना से उनके साथ भागने की बात की थी, गणेशन ने ऐसे किया था ट्रोल

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीत चुके बुमराह अपनी पत्नी संजना गणेशन के साथ हरभजन सिंह और गीता बसरा के शो हू इज द बॉस में नजर आए। एपिसोड के प्रोमो के दौरान संजना ने शादी से पहले की एक घटना शेयर की जिसमें उन्होंने बुमराह को उनके रनर-अप को लेकर ट्रोल किया।

दुनिया के नंबर 1 टेस्ट गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले, लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में भारत की गेंदबाजी की अगुआई की। पहली पारी में पांच विकेट लेने के बावजूद भारत को सीरीज के पहले मैच में पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। स्पोर्ट्स प्रेजेंटर गणेशन ने और बुमराह ने मार्च 2021 में

शादी की थी। शो के दौरान गणेशन ने कहा, तुम रन-अप पर भी नहीं भागते हो। तुम मेरे साथ क्या भागोगे? यह जवाब गणेशन ने बुमराह द्वारा शादी से पहले उनके साथ भाग जाने के सुझाव के जवाब में था। इंग्लैंड के खिलाफ 2 से 6 जुलाई तक बर्मिंघम के एजबेस्टन में होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए बुमराह की उपलब्धता अनिश्चित बनी हुई है। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर, मुख्य कोच गौतम गंभीर, कप्तान शुभमन गिल और खुद बुमराह सहित भारत के टीम प्रबंधन ने पुष्टि की है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के केवल तीन मैचों में भाग लेंगे।

पहले टेस्ट के दौरान भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने ऑन-फील्ड प्रेजेंटर संजना से अनुरोध किया था कि वह पहले टेस्ट में उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद बुमराह को भारत के लिए सभी पांच मैच खेलने के लिए मना लें। उन्होंने बहुत सावधानी से उस सवाल को टाल दिया। टीम प्रबंधन ने यह भी निर्दिष्ट नहीं किया है कि बुमराह किन दो टेस्ट मैचों से बाहर रहेंगे।

क्लब वर्ल्ड कप:

मैनचेस्टर सिटी ने जुवेंटस को हराकर ग्रुप स्टेज में 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। मैनचेस्टर सिटी ने क्लब वर्ल्ड कप 2025 के ग्रुप स्टेज में 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने जुवेंटस एफसी को आसानी से 5-2 से हरा दिया। इस जीत के साथ सिटी ने ग्रुप जी में पहला स्थान हासिल किया और अब वे ग्रुप एच की दूसरे नंबर की टीम से राउंड ऑफ 16 में भिड़ेंगे। मैनचेस्टर सिटी इस जीत के बाद फीफा क्लब विश्व कप 2025 के ग्रुप चरण को 100 प्रतिशत रिकॉर्ड के साथ समाप्त करने वाली एकमात्र टीम बन गई। सिटी ने इस टूर्नामेंट में अब तक 13 गोल किए हैं, जो एफसी बायर्न म्यूनिख से एक ज्यादा हैं। इस मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी ने लगभग पूरे खेल में दबदबा बनाए रखा। मैच की शुरुआत में ही पेप गार्डियोला की टीम ने नौवें मिनट में गोल दागा। नए खिलाड़ी रेयान ऐट-नूरी ने जुवेंटस के पेनल्टी क्षेत्र के बाहर गेंद पर कब्जा किया और जेरेमी डोकू को पास दिया, जिन्होंने शानदार गोल किया। हालांकि, सिर्फ दो मिनट बाद सिटी के गोलकीपर एडरसन की गलती से जुवेंटस ने बराबरी कर ली। इसके बाद 26वें मिनट में जुवेंटस के डिफेंडर ने गलती से अपने ही गोल में गेंद मार दी, जिससे सिटी फिर आगे हो गई। सिटी ने पहला हाफ पूरा दबाव बनाकर खेला।

इस सीरीज पर हो सकता है बड़ा फैसला

टीम इंडिया का बदलेगा कप्तान?

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया इस समय इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने में व्यस्त है. टीम की कप्तानी शुभमन गिल कर रहे हैं. इस सीरीज के बाद अगस्त में भारत के सफेद गेंद से सीरीज खेलने संभावना जताई जा रही है, जिसके लिए टीम में बदलाव देखने को मिल सकते हैं. यहां तक की कप्तान भी बदल सकता है. अगस्त में भारतीय टीम बांग्लादेश का दौरा कर सकती है. इस दौरान तीन वनडे और इतने ही ञ्च20ढ्ढ मैचों की सीरीज खेली जा सकती है. पहले दोनों देशों के रिश्तों में थोड़ी खटास आने से ये दौरा स्थगित माना जा रहा था, लेकिन अभी तक सरकार ने इस पर कोई निर्देश नहीं दिया, जिसके बाद दोनों देशों के बीच मैच होने की संभावना बढ़ गई है. हालांकि इस दौरान टीम इंडिया का कप्तान जरूर बदल सकता है.

भारत और बांग्लादेश के बीच 17 अगस्त से वनडे और टी20मैचों की सीरीज हो सकती है. अगर टीम इंडिया बांग्लादेश का दौरा करती है तो विराट कोहली और रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद पहली बार वनडे में वापसी करेंगे. रोहित शर्मा वनडे टीम की कप्तानी भी कर सकते हैं, लेकिन टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का इस दौरे पर जाना अभी निश्चित नहीं है, क्योंकि उन्होंने कुछ दिन पहले ही हर्निया की सर्जरी कराई है और वो अभी रेस्ट कर रहे हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अधिकारी ने बताया कि फिलहाल ये दौरा हो सकता है. हमने सीरीज को स्थगित करने या रद्द करने के बारे में कोई चर्चा नहीं की है. हमें सरकार से भी इस दौरे को रद्द करने के बारे में कोई निर्देश नहीं मिला है. अगर ऐसी स्थिति आती है, तो हम उसके अनुसार फैसला लेंगे. हालांकि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अप्रैल में ही शेड्यूल की घोषणा कर दी थी.

रोनाल्डो ने 2027 तक अल नासर में अपना कार्यकाल बढ़ाया

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अल नासर के साथ अनुबंध विस्तार पर हस्ताक्षर करके अपने क्लब के भविष्य को लेकर महीनों से चल रही अटकलों को खत्म कर दिया है, जिसके तहत वह 2027 तक सऊदी अरब के क्लब में बने रहेंगे। पुर्तगाली आइकन ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के साथ आधिकारिक तौर पर घोषणा की, जिसमें उन्होंने कहा, एक नया अध्याय शुरू हो रहा है। वही जुनून, वही सपना। आइए साथ मिलकर इतिहास बनाएं। अल नासर ने जल्द ही पुष्टि कीक्रिस्टियानो रोनाल्डो 2027 तक हमारे साथ बने रहेंगे।

मैनचेस्टर यूनाइटेड से निकलने के बाद 2022 के अंत में अल नासर में शामिल हुए रोनाल्डो ने गोल के सामने शानदार प्रदर्शन किया है, उन्होंने प्रतियोगिताओं में 105 मैचों में 93 बार गोल किए हैं। सऊदी अरब में उनके जाने से वैश्विक फुटबॉल में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया, जिसने सऊदी प्रो लीग की ओर अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया और इस क्षेत्र में सितारों के आगमन की लहर के लिए मंच तैयार किया। संभावित प्रस्थान के बारे में कई सप्ताह तक अटकलों के बाद यह विस्तार हुआ है। रोनाल्डो का अनुबंध इस गर्मी में समाप्त होने वाला था, और 2024-25 सत्र के अल नासर के अंतिम मैच के बाद उनकी रहस्यमयी पोस्ट - यह अध्याय समाप्त हो गया है। कहानी? अभी भी लिखी जा रही है। सभी का आभारी हूं।

इंडिया-इंग्लैंड:

टीम इंडिया की राह आसान नहीं! एजबेस्टन में 58 सालों से जीत का इंतजार, क्या खत्म होगा सूखा?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम फिलहाल इंग्लैंड दौर पर हैं, जहां वो मेजबान टीम के खिलाफ पांच मैचों की ब्लॉकबस्टर टेस्ट सीरीज में व्यस्त है. इस टेस्ट सीरीज का शुरुआती मुकाबला लीड्स में खेला गया था, जिसमें भारतीय टीम को 5 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी. अब दोनों टीमों 2 जुलाई (बुधवार) से बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर आमने-सामने होंगी.

एजबेस्टन में टीम इंडिया का खौफनाक रिकॉर्ड

शुभमन गिल की अगुवाई में भारतीय टीम इस मुकाबले के जरिए टेस्ट सीरीज में वापसी की कोशिश करेगी, लेकिन ये उतना आसान नहीं रहने वाला है. वैसे भी टीम इंडिया के लिए यह मैदान किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा है. इस मैदान पर भारतीय टीम टेस्ट क्रिकेट में अब तक एक भी जीत हासिल नहीं कर पाई है.

बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर भारतीय टीम ने अब तक 8 टेस्ट मैच खेले हैं, जो मेजबान इंग्लैंड के ही खिलाफ रहे. इस मैदान पर भारतीय टीम ने अपना पहला टेस्ट जुलाई 1967 में खेला था, जिसमें उसे 132 रनों से हार मिली थी. तब से अब तक भारत इस मैदान पर टेस्ट मैच नहीं जीता है. यानी इंतजार 58 सालों से ये इंतजार जारी है. भारतीय टीम एजबेस्टन में 7 टेस्ट मैच हारी है, वहीं एक मुकाबला ड्रॉ पर छूटा था, जो जुलाई 1986 में कपिल देव की कप्तानी में भारत ने खेला था. जब इस मैदान पर आखिरी बार (जुलाई 2022) दोनों टीमें भिड़ी थीं, तो जसप्रीत बुमराह ने भारतीय टीम की अगुवाई की थी. उस मुकाबले में भारतीय टीम को 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था.

एजबेस्टन में भारत-इंग्लैंड के बीच सभी टेस्ट मैचों के नतीजे

13-15 जुलाई 1967- टीम इंडिया को 132 रनों से हार मिली
4-8 जुलाई 1974- भारतीय टीम पारी और 78 रनों से हारी
12-16 जुलाई 1979- टीम इंडिया की पारी और 83 रनों से हार
3-8 जुलाई 1986- ड्रॉ
6-9 जून 1996- भारतीय टीम को 8 विकेट से हार मिली
10-13 अगस्त 2011- टीम इंडिया पारी और 242 रनों से हारी
1-4 अगस्त 2018- भारतीय टीम को 31 रनों से हार मिली
1-5 जुलाई 2022- टीम इंडिया 7 विकेट से हारी

धीमी ओवर गति की समस्या से निपटने के लिए आईसीसी का नया प्लान

दुबई, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने धीमी ओवर गति की समस्या से निपटने के लिए टेस्ट क्रिकेट में 'स्टॉप क्लॉक नियम लागू किया है जबकि 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र के खेलने की परिस्थितियों के अनुसार अगर 'जानबूझकर पूरा रन नहीं लिया जाता तो यह फैसला क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम करेगी कि कौन सा बल्लेबाज गेंदबाज का सामना करेगा। यह नए नियम 2025-2027 डब्ल्यूटीसी चक्र से लागू होंगे जिसकी शुरुआत श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच गॉल में पहले टेस्ट के साथ हुई थी।

आईसीसी की वेबसाइट पर मौजूद टेस्ट मैच की खेलने की परिस्थितियों के अनुसार सीमित ओवरों के क्रिकेट की तरह लंबे प्रारूप में भी धीमी ओवर गति की समस्या से निपटने के लिए स्टॉप क्लॉक का इस्तेमाल किया जाएगा। आईसीसी ने कहा, 'क्षेत्ररक्षण टीम को पिछला ओवर पूरा होने के 60 सेकेंड के भीतर अगला ओवर शुरू करने के लिए तैयार होना होगा। मैदान पर इलेक्ट्रॉनिक घड़ी दिखेगी जिस पर शून्य से 60 सेकेंड तक गिनती चलेगी। क्षेत्ररक्षण टीम को इसके बाद दो चेतावनियां दी जाएंगी और तीसरी बार ऐसा होने पर बल्लेबाजी टीम को पांच पेनल्टी रन दिए जाएंगे। आईसीसी ने कहा कि 80 ओवर पूरे होने के बाद इन चेतावनियों को फिर से शून्य कर दिया जाएगा।

विश्व पुलिस व फायर खेल 2029:

भारत को मिली विश्व पुलिस व फायर खेल 2029 की मेजबानी, गुजरात में होगा आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इसकी बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, गुजरात के लिए गर्व का क्षण! भारत ने बर्मिंघम, यूएसए में डब्ल्यूपीएफजी फेडरेशन के समक्ष एक व्यापक बोली प्रस्तुति के बाद अहमदाबाद, गांधीनगर और एकता नगर में 2029 विश्व पुलिस और अग्निशमन खेलों (डब्ल्यूपीएफजी) की मेजबानी के लिए बोली जीत ली है। 23वें विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेल 2029 की मेजबानी भारत को मिल गई है। इसका आयजोन गुजरात के अहमदाबाद, गांधीनगर और एकता नगर में होगा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इसकी बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, गुजरात के लिए गर्व का क्षण! भारत ने बर्मिंघम, यूएसए में डब्ल्यूपीएफजी फेडरेशन के समक्ष एक व्यापक बोली प्रस्तुति के बाद अहमदाबाद, गांधीनगर और एकता नगर में 2029 विश्व पुलिस और अग्निशमन खेलों (डब्ल्यूपीएफजी) की मेजबानी के लिए बोली जीत ली है। यह वैश्विक जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दूरदर्शी नेतृत्व को दर्शाती है और अहमदाबाद को भारत की खेल राजधानी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।